सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 270 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 13 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में एक तस्कर सहित 4 क्विंटल गांजा पकड़ाया, एक करोड़ है कीमत

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ओडिशा से तस्करी कर ला रहे करीब 4 क्विंटल गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए गांजे की अनुमानित कीमत एक करोड़ है। पुलिस ने बताया कि गांजा तस्कर को रेहतिखोल के पास पकड़ा है। छत्तीसगढ राज्य के सीमावर्ती राज्य ओडिशा से लगातार गांजा का परिवहन महासमुंद के रास्ते किए जाने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने समस्त थाना व चौकी प्रभारियों एवं साइबर सेल की टीम को अपराध के प्रभावी नियंत्रण पर निर्देशित किया। इसी क्रम में गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली कि बरगढ ओड़िशा से गांजा का बडा खेप एक सफेद रंग के आयशर ट्रक में ओडिशा से महासमुंद होते हुये रायपुर छत्तीसगढ़ होते हुये धार मध्यप्रदेश ले जाने वाला है।जिस पर थाना सिंघोडा प्रभारी एवं सायबर सेल की टीम को त्वरित कार्रवाई करने एसपी ने निर्देशित किया।

छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में सभी आरोपी दोषी, 18 को होगा सजा पर फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता मामले में सभी आरोपियों को दोषी माना है। इन सभी की सजा पर 18 जुलाई को फैसला आएगा। इस मामले में पूर्व राज्यसभा सांसद विजय जे दर्डा, उनके बेटे देवेंद्र दर्डा, पूर्व कोयला सचिव एच सी गुप्ता, दो वरिष्ठ लोक सेवक के एस क्रोफा और के सी सामरिया, जेएलडी यवतमाल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड और इसके निदेशक मनोज कुमार जयसवाल आदि शामिल हैं। कोर्ट ने उन्हें आईपीसी की धारा 120बी, 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की अन्य धाराओं के तहत दोषी ठहराया।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गैलेक्सी प्लाजा में भीषण आग, जान बचाने के लिए मॉल से कूद गए लोग

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गैलेक्सी प्लाजा में भीषण आग लग गई है। जान बचाने के लिए कुछ लोग मॉल की तीसरी मंजिल से कूद गए हैं। कुछ लोगों के फंसे होने की भी सूचना है। मौके पर बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बिसरख थाना इलाके के गौर सिटी वन फर्स्ट एवेन्यू में गुरुवार को गैलेक्सी प्लाजा में भीषण आग लग गई। आग शॉर्ट सर्किट से लगी है। प्लाजा में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है।

छत्तीसगढ़ में शीर्ष भाजपा नेताओं के निशाने पर लोकसभा की दो सीटें

विधानसभा हारे तो लोकसभा की सीटों पर भी होगा सीधा असर!

कई और सीटों के नतीजों पर भी हो सकता है सीधा असर

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की पिछली बैठकों में मिशन 2024 को लेकर जो रणनीति तैयार की गई थी, उस पर अमल शुरू हो चुका है। पार्टी के शीर्षस्थ नेता लगातार उन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं, जहां उन्हें विगत चुनाव में पराजय मिली थी। पार्टी का एकमात्र लक्ष्य मोदी सरकार की तीसरी बार ताजपोशी है और इसी के लिए जोर-शोर से तैयारियां भी चल रही है। 2009 में छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटों में से 9 भाजपा को मिली थी। अब पार्टी उन 2 सीटों पर फोकस कर रही है, जहां उसे हार मिली। यह सीटें बिलासपुर और बस्तर है। हालांकि विगत चुनाव की अपेक्षा इस बार जीती हुई कई सीटों पर पार्टी की स्थिति कमजोर भी हुई है। इसका पार्टी शीर्ष नेतृत्व अपने स्तर पर आंकलन कर रहा है।

भाजपा आलाकमान के लिए छत्तीसगढ़ में फिर से सत्ता हासिल करना तो जरूरी है ही, किन्तु इससे भी ज्यादा अहम् केन्द्र में मोदी सरकार की ताजपोशी है। आलाकमान चाहता है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने, लेकिन इसके लिए पूरा जोर प्रादेशिक नेताओं को ही लगाना होगा। केन्द्रीय नेतृत्व की प्राथमिकता केन्द्र में सरकार बनाने की है। पिछले कुछ महीनों में जिस तरह से प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री से लेकर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा व संगठन के अन्य नेताओं के दौरे हुए हैं और आगे भी होने वाले हैं, उससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि आलाकमान का फोकस पूरी तरह से उन दो सीटों पर है, जहां उसे 2009 में हार मिली थी। वर्तमान में बिलासपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व ज्योत्सना चरणदास महंत कर रही हैं। वहीं बस्तर लोकसभा सीट से युवा नेता दीपक बैज ने कांग्रेस का परचम लहराया था। भाजपा के कई नेताओं का मानना है कि प्रदेश में तीन बार सत्ता में रहने के दौरान कई बड़ी त्रुटियां हुई, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा। 2008 में मिली शर्मनाक पराजय इसका प्रमाण है। पार्टी नेताओं के मुताबिक, इस बार भी प्रदेश में सत्ता हासिल करना उतना आसान नहीं होगा। शीर्ष नेतृत्व इस बात को समझ रहा है। भले ही वह अच्छे बहुमत का दावा करता हो। इसलिए आलाकमान की पहली प्राथमिकता केन्द्र में फिर से मजबूत मोदी सरकार को लाना है।

भूपेश को फ्री-हैंड

लगातार तीन चुनाव जीतने वाली भाजपा का वर्चस्व तोड़ने वाले भूपेश बघेल पर हाईकमान ने पूरा भरोसा जताया है। शायद यही वजह है कि पार्टी हाईकमान ने छत्तीसगढ़ पर सिर्फ बाहरी फोकस रखा है। राज्य का पूरा पुणा-गणित सीएम भूपेश के ही जिम्मे हैं। केबिनेटमंत्री टीएस सिंहदेव की नाराजगी की पिछली कुछ खबरों के बाद हालांकि हाईकमान को हस्तक्षेप करना पड़ा, लेकिन अब कांग्रेस के लिए राज्य में हालात दुरूस्त है। भाजपा के नेता भी यह मानते हैं कि इस बार भूपेश से पार पाना आसान नहीं होगा। ऐसे में इस बात की संभावना भी बलवती होती है कि विधानसभा चुनाव का प्रभाव सीधे तौर पर लोकसभा के चुनाव पर हो। यदि राज्य में कांग्रेस फिर से सत्तासीन होती है तो भाजपा को लोकसभा चुनाव में नुकसान होने की संभावना ज्यादा होगी। भाजपा के लोग भी इसे स्वीकारते हैं। शायद यही वजह है कि भाजपा आलाकमान को राज्य के पल-पल के हालात पर नजर रखनी पड़ रही है।

पिछले कई वर्षों से शीर्षस्थ भाजपा नेताओं का फोकस ज्यादातर बस्तर में रहा है। प्रदेश भाजपा की प्रभारी रही डी. पुरंदेश्वरी से लेकर वर्तमान प्रभारी तक बस्तर के दौरे करते रहे हैं। पिछले दिनों रक्षामंत्री राजनाथ सिंह कांकेर आए थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी दंतेवाड़ा आने की संभावना है। वरिष्ठ नेताओं के बस्तर पर फोकस करने से यह तो समझ आता है कि शीर्ष नेतृत्व एक-एक सीट के लिए मशक्कत कर रहा है। बिलासपुर (संभाग) को लेकर हालांकि कई पेंच हैं। विगत विधानसभा चुनाव में यहां से कांग्रेस के अलावा बसपा और जोगी कांग्रेस ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई थी। वर्तमान में आम आदमी पार्टी (आप) के केन्द्र में भी बिलासपुर ही है। पिछले महीने आप के दोनों मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान भी यहां माहौल बना गए। हालांकि भाजपा के नेताओं को यहां इन हालातों में भी अपने लिए संभावनाएं नजर आ रही है। वजह यह है कि लोकसभा चुनाव में बसपा, जोगी कांग्रेस और आप वोटकटवा की भूमिका निभाएंगे। ये दल जिसके, जितने ज्यादा वोट काटेंगे, उसका लाभ दूसरी पार्टी को होगा।

कोरबा में अंडरब्रिज के लिए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

■ नितिन गडकरी को लिखा पत्र, जवाब नहीं मिलने पर जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा-चांपा हाईवे के बीच अंडर ब्रिज की मांग को लेकर ग्रामीण नाराज हो गए हैं। अपनी आवाज बुलंद करने के लिए ग्राम पताड़ी के ग्रामीणों ने कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग में चक्का जाम कर दिया है, जिसकी वजह से कोरबा-चांपा मुख्य मार्ग में आवाजाही बंद हो गई है। चक्काजाम की सूचना पर प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की समझाइश दी गई। तब जाकर ग्रामीण शांत हुए।

बताया जाता है कि ग्रामीण अंडर ब्रिज की मांग को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा था। लेकिन अब तक पत्र का जवाब नहीं आया है। ग्रामीणों की मांग है कि उनके बच्चों के जाने आने के लिए बीच रास्ते में एक अंडर ब्रिज दिया जाए। ताकि बच्चों को घूमकर स्कूल न जाना पड़े। वहीं ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर चक्का जाम कर दिया है।

आधे घंटे रहा चक्का जाम

उरगा थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि ग्रामीण अंडर ब्रिज की मांग को लेकर चक्का जाम कर दिया था। जहां घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उच्चाधिकारियों के आश्वासन के बाद चक्का जाम समाप्त किया गया। लगभग आधा घंटे तक चक्का जाम की स्थिति निर्मित रही। फिलहाल पुलिस ने आवागनम बहाल कर दिया है।

चंद्रयान-3 : लॉन्चिंग की तैयारियां पूरी

तिरुपति मंदिर पहुंचे वैज्ञानिक, मिशन की सफलता के लिए की पूजा

तिरुपति (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्था (इसरो) 14 जुलाई को चंद्रयान- 3 लॉन्च करने जा रहा है। आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 14 जुलाई को दोपहर बाद 2:35 बजे चंद्रयान- 3 की लॉन्चिंग होगी। मिशन की सफ्लता के लिए गुरुवार को इसरो वैज्ञानिक की एक टीम चंद्रयान-3 के छोटे मॉडल को लेकर तिरुपति मंदिर पहुंची। यहां पर मिशन की सफ्लता के लिए वैज्ञानिकों ने पूजा की। पूजा के बाद वैज्ञानिकों ने छोटे मॉडल को दिखाते हुए कहा चंद्रयान-3 को कल लॉन्च किया जाएगा।

इससे पहले मंगलवार को इसरो ने चंद्रयान-3 को सफ्लतापूर्वक चंद्रमा पर उतारने का पूर्वाभ्यास किया था। इसरो की ओर से ट्वीट कर बताया गया कि लॉन्च की पूरी तैयारी और प्रक्रिया का डमी रूप में 24 घंटे का पूर्वाभ्यास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) बहुप्रतीक्षित मिशन चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। इससे पहले इसरो ने दो मिशनों- चंद्रयान -1 और चंद्रयान-2 को लांच किया था, लेकिन ये दोनों सतह पर लैंड नहीं हो सके थे।

क्या है चंद्रयान-3

इसरो के अनुसार चंद्रयान-3 मिशन चंद्रयान-2 का ही अगला चरण है, जो चंद्रमा की सतह पर उतरेगा और परीक्षण करेगा। इसमें एक प्रणोदन मॉड्यूल, एक लैंडर और एक रोवर होगा। चंद्रयान-3 का फोकस चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित लैंड करने पर है। मिशन की सफलता के लिए नए उपकरण बनाए गए हैं। एल्गोरिदम को बेहतर किया गया है। जिन वजहों से चंद्रयान-2 मिशन चंद्रमा की सतह नहीं उतर पाया था, उन पर फोकस किया गया है। मिशन 14 जुलाई को दोपहर 2:35 बजे श्रीहरिकोटा केन्द्र से उड़ान भरेगा और अगर सब कुछ योजना के अनुसार हुआ तो 23 या 24 अगस्त को चंद्रमा पर उतरेगा। इसरो का यह मिशन भारत को अमेरिका, रूस और चीन के बाद चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बना देगा।

कांकेर में शुरू हुआ प्रदेश का पहला स्वामी आत्मानंद आदर्श कॉलेज

■ सीएम भूपेश बघेल ने किया वर्चुअली लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांकेर जिले के नरहरपुर में छत्तीसगढ़ का पहला स्वामी आत्मानंद अंगेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालय शुरू हो गया है। गुरुवार को सीएम भूपेश बघेल अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल रूप से रहरपुर में स्वामी आत्मानंद अंगेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के प्रथम स्वामी आत्मानंद अंगेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालय का वर्चुअल लोकार्पण किया।

इस वर्ष 10 कॉलेज खोलने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गरीब से गरीब परिवार के विद्यार्थी को भी उत्कृष्ट शिक्षा दिलाने के लिए हमने वर्ष 2020 में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय की शुरुआत की यह योजना प्रदेश में काफ़ी लोकप्रिय हुई। भेंट मुलाकात के दौरान प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्री में स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की मांग की जाती थी। प्रदेश में आज स्वामी आत्मानन्द योजना के अंतर्गत अंग्रेजी माध्यम के 377 और हिंदी माध्यम के 350 स्कूल संचालित हो रहे हैं। स्कूलों के साथ- साथ हमने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम कॉलेजों की भी शुरुआत करने का निर्णय लिया है। इस साल 10 कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जिले में शिक्षा हमर लक्ष्य अभियान के तहत चयनित छात्रों ने बातचीत की। बता दें जिले के 75 बच्चों ने जेईई में क्वालीफाई किया है। इसमें से 3 बच्चों का चयन एनआईटी रायपुर एवं 1 बच्चे का चयन सेंट्रल यूनिवर्सिटी बिलासपुर में हो चुका है। इन चारों छात्रों को पढ़ाई हेतु सहयोग राशि प्रदान की गयी। मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान इन छात्रों ने अपने अनुभव साझा किए।

स्कूल के बाद कॉलेज में भी अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजी माध्यम से जो बच्चे हायर सेकंडरी स्कूलों से पढ़कर निकलेंगे, उन्हें स्वामी आत्मानंद अंगेज़ी माध्यम आदर्श महाविद्यालयों में आगे भी इसी माध्यम से शिक्षा मिलती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में 26 हजार 989 शिक्षकों की भर्तियां निकाली गई हैं। पहले 14 हजार 500 शिक्षकों की भर्तियां निकाली गई थी, इनमें से 10 हजार 834 शिक्षकों को स्कूलों में नियुक्तियां दी जा चुकी है। हाल ही में 12 हजार 489 शिक्षकों की और भर्तियां निकाली है, जोकि प्रक्रिया में है बस्तर संभाग के सभी जिलों में शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में प्राथमिकता के साथ काम किया गया है। बस्तर संभाग के 314 बंद स्कूलों को पुनः खोल गया, जोकि एक बड़ी उपलब्धि है।

मरकाम के जाने से बिगड़ा भाजपा का गणित

श्रीकंचनपथ

कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव से ठीक 100 दिन पहले अपना प्रदेश अध्यक्ष बदल दिया है। मोहन मरकाम छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के सफलतम अध्यक्षों में से एक रहे हैं। चार साल के उनके नेतृत्व में पार्टी ने सभी नगर निगम के महापौर, 28 जिला पंचायत अध्यक्ष और पांच विधानसभा उपचुनावों में जीत दर्ज की। उनकी निष्ठा, योग्यता और समर्पण पर कोई सवाल नहीं उठ सकता। पर एक मामले में वो चूक गए। किसी भी पार्टी की सेहत उसके नेताओं के आपसी तालमेल पर टिकी होती है। क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी की तरह राजनीति भी एक दलगत खेल है। तालमेल बढ़िया होगा तभी जीत सुनिश्चित हो पाएगी। पीसीसी अध्यक्ष का पद एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसकी एक बड़ी जिम्मेदारी सत्ता और संगठन में तालमेल बैठाना भी है। मुख्यमंत्री और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की भूमिका एक गाड़ी को खींच रहे दो बैलों की तरह होती है। दोनों साथ-साथ समान गति से एक ही दिशा में चलेंगे तो गाड़ी मुकाम तक पहुंच जाएगी। यदि बैलों ने अपनी गति बदली या गाड़ी को अलग-अलग दिशाओं में ले जाने की कोशिश की तो गाड़ी कभी मंजिल तक नहीं पहुंचेगी, फ़िर चाहे बैल कितने भी हट्टे-कट्टे और ताकतवर क्यों न हों। दोनों का परिश्रम व्यर्थ चला जाएगा। इसके कई नजीर भारत की राजनीति में देखने को मिल जाएंगे। कांग्रेस ने पूरी कोशिश की है कि छत्तीसगढ़ का हश्र राजस्थान या पंजाब जैसा न हो। इससे पहले कांग्रेस ने नाराज चल रहे वरिष्ठ नेता टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री का पद सौंपकर भी यही संदेश दिया था कि पार्टी को कमजोर नहीं पड़ने दिया जाएगा। अब मरकाम की जगह बस्तर सांसद दीपक बैज को पीसीसी चीफ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लगभग 16 साल के अपने राजनीतिक करियर में बैज एनएसयूआई से कांग्रेस में आए और लगातार दो बार विधायक चुने गए। 2019 के चुनाव में उन्होंने लीड मतों से बस्तर की संसदीय सीट पर जीत दर्ज की। पर पीसीसी अध्यक्ष बनने के लिए उनकी सबसे बड़ी योग्यता यह है कि वे मुख्यमंत्री भूपेश की पसंद हैं और कांग्रेस के राष्ट्रीय चेहरा राहुल गांधी के करीबी हैं। दूसरी खास बात यह कि वे बस्तर से आते हैं और आदिवासी नेता हैं. पर मरकाम की जगह लेने के लिए इतना काफ़ी नहीं है। उनके पास पूरे प्रदेश में संगठन के लोगों से मिलने और उनका विश्वास हासिल करने के लिए पर्याप्त वक्त नहीं है। हालांकि, उन्हें मुख्यमंत्री की टीम का पूरा समर्थन मिलेगा पर बिना मरकाम का सहयोग हासिल किये उनका काम कठिन होगा। इसलिए वक्त का तकाजा है कि मरकाम स्वयं आगे बढ़कर उनका सहयोग करें। वैसे, सिंहदेव के उपमुख्यमंत्री बनने और मरकाम के पीसीसी अध्यक्ष पद से हटने से भाजपा के मंसूबों पर पानी फिर गया है। उसे लगा था कि सत्ता और संगठन का वैमनस्य उनके हक में जाएगा। टिकट वितरण में घमासान होगा, पर कांग्रेस ने इसका पटाक्षेप कर दिया।

संपादकीय

गेमिंग पर ज्यादा टैक्स

ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार ने उचित ही 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला किया है। जिस दौर में दूध से बने उत्पादों पर जीएसटी लग सकता है, जब कंडेंस्ड मिल्क पर 12 प्रतिशत जीएसटी लग सकता है, तब ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। जीएसटी तय करने वाली वस्तु एवं सेवा कर परिषद ने मंगलवार को नई दिल्ली में अपनी 50वीं बैठक में ऑनलाइन गेमिंग, घुड़दौड़ व कैसीनो पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला किया है। सरल शब्दों में कहें, तो ऑनलाइन गेम पर प्रति 100 रुपये खर्च करने पर 28 रुपये जीएसटी लिया जाएगा। अगर ऑनलाइन गेम उद्योग के नजरिये से देखें, तो यह बुरी खबर है। भारत में ऑनलाइन गेमिंग बाजार एक अरब डॉलर से ज्यादा का है। जीएसटी से न केवल ऑनलाइन गेम खेलने वाले, बल्कि इससे आजीविका चलाने वालों पर भी असर पड़ेगा। एक बड़ी चिंता यह भी है कि इससे बचने के लिए चोर रास्ते खोजे जाएंगे, जिससे अवैध गेमिंग कारोबार विकसित हो जाएगा। ज्यादा नियम-कायदे व ज्यादा शुल्क या कर वसूली का यह एक बड़ा नुकसान है। क्या सरकार ने इस बारे में सोच लिया है? भारत में तेजी से बढ़ते ऑनलाइन गेमिंग कारोबार से राजस्व उगाही का सरकार का फैसला खुद उसके नजरिये से बुरा नहीं है, पर सरकार को ध्यान रखना चाहिए कि इस उद्योग का विकास प्रभावित न हो। जहां तक घुड़दौड़ और कैसीनो का सवाल है, तो इन पर 28 प्रतिशत जीएसटी का कोई भी विरोध नहीं करेगा, लेकिन जुआ और खेल पर एक ही अनुपात में कर लगाने का विरोध भी विचारणीय है। इसके अलावा यह जीएसटी वसूली भी आसान नहीं होगी। अगर सरकार पुख्ता निगरानी के साथ यथोचित टैक्स वसूलना चाहती है, तो उसका स्वागत है। एक और बात ध्यान देने की है कि भारत का पैसा भारत में ही रहना चाहिए। अभी विदेशी कंपनियों प्रभावी हैं और देशी कंपनियों को सही कारोबार के लिए कुछ रियायत देने में कोई हर्ज नहीं है। जिन खेलों की लत लग सकती है या जो खेल जुआ की प्रकृति के हैं, जो स्वयं ही जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए घोषणा करते हैं कि आप अपने जोखिम पर खेलिए, उनसे भारी कर वसूली कतई गलत नहीं है। दूसरी ओर, जो खेल किसी तरह का नुकसान नहीं करते हैं, जो जिम्मेदारी के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा या मनोरंजन को बढ़ावा देते हैं, उनके प्रति नरम नजरिया गलत नहीं होगा। कोई शक नहीं कि ऑनलाइन गेम का क्षेत्र बहुत विशाल है और यहां सेवाओं-सुविधाओं को बहुत सुलझाने-संवारने की जरूरत है। सरकार को कौशल आधारित खेलों को बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन तुक्का या भाग्य आधारित खेलों को हतोत्साहित करने में कोई हर्ज नहीं है। देश में ऑनलाइन कुशलता को बढ़ावा देना सामाजिक व आर्थिक, दोनों तरह से सही है। देश के आर्थिक हित महत्वपूर्ण हैं, पर सामाजिक हित की भी उपेक्षा नहीं हो सकती। इंटरनेट के दौर में सरकारों के लिए आय के नए-नए स्रोत बन रहे हैं, लेकिन हर स्रोत को समान रूप से देखने से बचना चाहिए। ऑनलाइन खेल उद्योग को अपनी बात तर्क के साथ सरकार के सामने रखनी चाहिए। गौर कीजिए, हमारी कंपनियों में एक कमी दिखने लगी है कि वे सरकारी नियम-कायदों से बचने के लिए अपने मुख्यालय सिंगापुर या लंदन या यूएई ले जाने लगी हैं। देश को आर्थिक महाशक्ति बनाना है, तो सभी को अपना-अपना आर्थिक हित देखने के बजाय देश का व्यापक हित देखना पड़ेगा।

“ अभी विदेशी कंपनियों प्रभावी हैं और देशी कंपनियों को सही कारोबार के लिए कुछ रियायत देने में कोई हर्ज नहीं है। जिन खेलों की लत लग सकती है या जो खेल जुआ की प्रकृति के हैं, जो स्वयं ही जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए घोषणा करते हैं कि आप अपने जोखिम पर खेलिए, उनसे भारी कर वसूली कतई गलत नहीं है। दूसरी ओर, जो खेल किसी तरह का नुकसान नहीं करते हैं, जो जिम्मेदारी के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा या मनोरंजन को बढ़ावा देते हैं, उनके प्रति नरम नजरिया गलत नहीं होगा।

स्वीडन की सदस्यता और तुर्की का मोलभाव!

नाटो शिखर सम्मेलन की शुरुआत खुशनुमा माहौल में हुई। चेहरे खिले हुए थे और गर्मजोशी से हाथ मिलाए जा रहे थे। 'आल इज वेल' और 'हम सब एक हैं' के संदेश देने का भरपूर प्रयास हो रहा था।

अपने नजरिए में नाटकीय बदलाव लाते हुए तुर्की ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर अपना वीटो वापस ले लिया। इससे यह उम्मीद बंधी है कि एक साल से अधिक समय से खिंच रहा यह मसला अब खत्म हो जाएगा। मतलब यह कि तुर्की की जिद के कारण एक साल से देहरी पर खड़ा स्वीडन नाटो का 32वां सदस्य बनने जा रहा है। इससे बाल्टिक सागर, नाटो देशों से घिरी एक झील बन जाएगा।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोल्टेनबर्ग, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तय्यब अर्दोआन और स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिसटेरसन की मुलाकात के बाद यह खबर आई। यह बैठक तीनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली कूटनीतिक चर्चाओं के बाद हुई थी।

इसमें संदेह नहीं कि यह खबर अचंभित करने वाली थी। रविवार को ही तय्यब अर्दोआन और जो बाइडेन की बातचीत हुई थी और बाइडेन, अर्दोआन को स्वीडन की सदस्यता का विरोध न करने के लिए राजी करने में सफल हुए। अर्दोआन जम कर सौदेबाजी करने के लिए जाने जाते हैं और वे कब क्या कर दें इसका कोई भरोसा नहीं रहता। तो फिर तुर्की ने अपनी जिद क्यों छोड़ी?

पहला कारण- नाटो के 10 जुलाई को प्रकाशित वक्तव्य से लगता है कि स्वीडन ने उन कुर्द आंदोलनकारियों के खिलाफ कदम उठाने का वादा किया है, जिन्हें तुर्की आतंकवादी मानता है और नाटो तुर्की की चिंताओं के मद्देनजर आतंकवाद निरोधक विशेष समन्वयक नाम से एक नया पद बनाने के लिए तैयार हो गया है। समाचार एजेंसी 'ब्लूमबर्ग' ने खबर दी है कि यूरोपीय यूनियन, वीजा मुक्त यात्रा और खुले बाजार के मामलों में भी तुर्की को छूट देने के लिए राजी हो गया है।

दूसरा कारण-यह माना जा रहा है- हालांकि यह स्पष्ट नहीं है- कि जो बाइडेन ने तुर्की को वह देने की पेशकश की है जो अर्दोआन चाहते थे। अर्दोआन अमरीका से एफ-16 लड़ाकू विमान चाहते थे और इसके लिए स्वीडन के मुद्दे को लेकर सौदेबाजी करने के मूड में थे। बाइडेन ने स्वीडन के नाटो में प्रवेश की दिशा में उठाए गए इस पहले कदम का स्वागत करते हुए जो छोटा सा वक्तव्य जारी किया उसमें विमानों के मामले का कोई जिक्र नहीं है लेकिन तुर्की की सरकारी न्यूज एजेन्सी 'अनाडुलू' ने कहा कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने विमान दिए जाने का समर्थन किया है।

तीसरा कारण-जो ज्यादा बड़ा है। नाटो सम्मेलन के लिए रवाना होते समय हवाईअड्डे पर प्रेस से बातचीत में तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, पहले तुर्की के यूरोपीय संघ में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हो उसके बाद हम स्वीडन का रास्ता आसान बनाएंगे, जैसा कि हमने फिनलैंड के मामले में किया था। तुर्की सन् 1987 से यूरोपीय संघ, ईयू में शामिल होने के लिए वार्ताएं कर रहा है लेकिन अर्दोआन के शासनकाल में सन् 2018 से देश में तानाशाही शासन और मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामले बढ़ने के मद्देनजर वार्ताएं बंद हैं। रिश्तों में कड़वाहट की शुरुआत सन् 2015 के प्रवासी संकट से शुरू हुई थी जब ईयू के सदस्यों ने अर्दोआन पर कूटनीतिक ब्लैकमेल करने के आरोप लगाए थे। नवंबर 2016 में जब अर्दोआन ने अपने विरोधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए और उस साल हुए असफल विद्रोह में उनका हाथ होने का आरोप लगाए तब यूरोपीय संसद ने चर्चाएं स्थगित करने के पक्ष में मतदान किया।

“ पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार बारह साल पूरे कर चुकी है। ऐसे में, चुनावी हिंसा रोकने की जिम्मेदारी उसे ही निभानी चाहिए। पश्चिम बंगाल में अराजक तत्व हमेशा सत्ता पक्ष के साथ रहे हैं। कांग्रेस के दौर में वे कांग्रेस के साथ थे, बाद में वाम मोर्चा का हिस्सा बन गए और अब तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

बंगाल में मारकाट की असली वजह

जयंत घोषाल, वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में गलाकाट होड़ के पीछे सिर्फ राजनीति नहीं है, बल्कि अर्थनीति भी है। इस बार के चुनाव में हिंसा का व्यवसायीकरण भी दिखाई पड़ा, जो एक सियासी मकसद के लिए किया गया। यह बहुत दुखद स्थिति है।

सवाल उठता है, आखिर इतने लोग पंचायत चुनाव क्यों लड़ना चाहते हैं? पंचायत व्यवस्था तीन स्तरीय है, पहले ग्राम पंचायत, फिर पंचायत समिति और उसके बाद जिला परिषद। पंचायत चुनाव में मतदाताओं को तीन-तीन मतदान करने पड़ते हैं। यह बात छिपी नहीं है कि पंचायत में केंद्रीय योजनाओं का भी बहुत पैसा आता है। राज्य सरकार की परियोजनाएं तो आती ही हैं। पंचायतों के जरिये ही पैसे खर्च होते है। पंचायत प्रधान को बतौर तनख्वाह करीब 6,000 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, लेकिन वह केंद्र व राज्य सरकार की तमाम योजनाओं की एक मुख्य कड़ी भी होता है। गांव की आबादी और आकार के हिसाब से पंचायतों के पास लाखों-करोड़ों रुपये आते हैं, उसके एक बड़े हिस्से की बंदरबांट होती है।

पंचायत में चोरी होती है, यह बात खुद नेता ही गांव-गांव जाकर कहते हैं। यह भी केवल कहा ही जाता है कि जिन लोगों ने पंचायत का पैसा चोरी किया है, उनको टिकट नहीं दिया जाएगा, पार्टी में नहीं रखा जाएगा। हालांकि, ऐसा नहीं है कि पंचायतों में चोरी की शुरुआत तृणमूल कांग्रेस के समय हुई है, ऐसा वर्षों से चला आ रहा है। माकपा के समय भी पंचायतों में भ्रष्टाचार था। प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा भी था कि हम केंद्र से एक रुपया भेजते हैं, उसमें से 15 पैसे ही सही जगह पर पहुंच पाते हैं। जिन क्षेत्रों में विकास या अच्छे रोजगार नहीं हैं, वहां राजनीति व पंचायतें भी आय का स्रोत बन गई हैं। आज ज्यादा से ज्यादा लोग चुनाव लड़ना व येन-केन-प्रकारेण जीतना चाहते हैं।

ऐसे में, आश्चर्य नहीं कि पश्चिम बंगाल के पंचायत चुनाव में इतनी हिंसा हो रही है। ऐसा लगने लगा है कि पश्चिम बंगाल में चुनाव और हिंसा अब एक-दूसरे के पर्याय बन गए हैं। भले ही इस पंचायत चुनाव में 2018 की तुलना में कम मौतें हुई हैं, लेकिन इस बार कहीं ज्यादा संघर्ष दिखा है। माकपा, भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल, सभी दलों के नेता और समर्थक एक-दूसरे से लड़ते दिखे हैं। खासकर तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच हिंसक तनातनी मंगलवार को मतगणना के दिन और उसके बाद भी जारी है। इन चुनावों में अब तक 40 से ज्यादा लोगों की जान गई है।

चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है, मगर पश्चिम बंगाल में इसका आनंद मनाने के बजाय खून-खराबा हो रहा है। पिछली सदी के 1960 के दशक में भी स्थिति गंभीर हो गई थी। उस समय गठबंधन सरकार थी और मुख्यमंत्री थे बांग्ला कांग्रेस के अजय मुखर्जी। तब कानून-व्यवस्था का संकट इतना गहरा गया था कि खुद मुख्यमंत्री को अपने ही उप-मुख्यमंत्री के खिलाफ, जो सीपीएम के ज्योति बसु थे, धरने पर बैठना पड़ गया था। मुख्यमंत्री का कहना था कि सीपीएम के कार्यकर्ता बांग्ला कांग्रेस के लोगों को पीट रहे हैं। हालांकि, बाद में बांग्ला कांग्रेस का विलय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में हो गया और माकपा ने वाम मोर्चा का गठन कर सरकार बना ली। फिर भी, चुनावी हिंसा में कमी नहीं आई। पहले बिहार के मुंगेर जिले से यहां बम-बंदूकें आया करती थीं, लेकिन अब ऐसी फैक्टरियां यहीं खुल गई हैं। चूंकि यहां उद्योग नहीं हैं, रोजगार नहीं है, इसलिए नौजवान आसानी से ऐसे गैर-कानूनी कामों का हिस्सा बन जाते हैं। पिछले दिनों एक पत्रकार ने खोजी पत्रकारिता करके बताया था कि कैसे यहां फैक्टरियों में बम-बंदूकें बन रही हैं। उस पत्रकार ने एक फैक्टरी मालिक से बात की थी, जिसने कहा था कि वह किसी एक पार्टी के लिए हथियार नहीं बनाता। जो भी उसे पैसे देता है, वह उसको हथियार उपलब्ध करा देता है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार बारह साल पूरे कर चुकी है। ऐसे में, चुनावी हिंसा रोकने की जिम्मेदारी उसे ही निभानी चाहिए। पश्चिम बंगाल में अराजक तत्व हमेशा सत्ता पक्ष के साथ रहे हैं। कांग्रेस के दौर में वे कांग्रेस के साथ थे, बाद में वाम मोर्चा का हिस्सा बन गए और अब तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं। इस संस्कृति पर रोक लगनी चाहिए। दुखद है, चुनावी हिंसा बंगाली अस्मिता के साथ जुड़ गई है। यह वही बंगाल है, जो कभी पुनर्जागरण का शहर कहा जाता था, और टैगोर, राममनोहर राय, बंकिम चंद्र चटर्जी जैसी मनीषियों की भूमि था। अब इसकी पहचान हिंसा से होने लगी है।

राज्य पुलिस अपनी जिम्मेदारी से क्यों चूक गई? क्या उसे कानून-व्यवस्था संभालने के लिए अतिरिक्त प्रयास नहीं करना चाहिए था? कई पूर्व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चुनाव के समय हिंसक घटनाओं की आशंका को देखते हुए अराजक तत्वों को पहले ही हिरासत में ले लेना चाहिए था। मगर इस बाबत गंभीरता नहीं दिखाई गई।

बहरहाल, राजनीतिक तू-तू, मैं-मैं में उलझे बिना यह जरूरी है कि चुनावी हिंसा के खिलाफ राजनीतिक दलों में एकमत बने। इसके लिए सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए, और सभी एक स्वर में हिंसा फैलाने वाले तत्वों के खिलाफ कार्रवाई का समर्थन करें। यह तो पंचायत चुनाव था, अगले वर्ष लोकसभा के लिए वोट डाले जाएंगे। ऐसे में, हिंसा की राजनीति राज्य को काफी पीछे धकेल सकती है। जब बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में चुनावी हिंसा का अंत हो सकता है, तो फिर बंगाल में क्यों नहीं? 'हिंसा मुक्त राजनीति' पश्चिम बंगाल में सबसे बड़ा आह्वान होना चाहिए।

हिंसा और विवाद का ही नतीजा है कि अंतिम नतीजे आने में इतना समय लग रहा है। अभी तक के चुनाव नतीजे बता रहे हैं कि दीदी नंबर वन साबित हुई हैं। तृणमूल कांग्रेस को आशा के अनुरूप ही भारी अंतर से जीत मिली है। इस बार चुनाव में भाजपा और वामपंथी पार्टी को कुछ फायदा हुआ है। तृणमूल का मत प्रतिशत बढ़ा है, तो भाजपा का भी बढ़ा है। ऐसे में, पंचायत चुनाव में मिली जीत को तृणमूल कांग्रेस 2024 के आम चुनाव में इस्तेमाल करना चाहेगी। वैसे लोकसभा चुनाव और पंचायत चुनाव में बहुत अंतर है। लोकसभा चुनाव नरेंद्र मोदी का चुनाव होगा, ममता बनर्जी का नहीं। लोकसभा चुनाव ब्लॉक अधिकारी या राज्य के नियंत्रण में नहीं, चुनाव आयोग के नियंत्रण में होगा। चुनावी नतीजों का अभी से अनुमान लगाना मुश्किल है, पर ऐसे उपाय हम कर ही सकते है कि चुनावी हिंसा में कमी आए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बोर्ड परीक्षाओं में बहुत ज्यादा अंक देने-मिलने के मायने

श्रीधर राजगोपालन, शिक्षाविद्

यह एक आम अनुभव है कि छात्र आज राज्य और राष्ट्रीय स्तर की बोर्ड परीक्षाओं में पहले की तुलना में अधिक अंक प्राप्त करने लगे हैं। इस 'ग्रेड मुद्रास्फीति' का प्रत्यक्ष परिणाम यह है कि पिछले कुछ वर्षों में कॉलेज प्रवेश के लिए कट-ऑफ लगातार बढ़ रही है। फौरी तौर पर ज्यादा अंक फायदे का सौदा लग सकते हैं, क्योंकि इससे छात्र, स्कूल, अभिभावक और राजनेता सभी खुश हो जाते हैं। फिर भी, कुल मिलाकर इसका शिक्षा-व्यवस्था पर दीर्घकालिक हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

परीक्षा में मिलने वाले अंकों का लगातार बढ़ते जाना मतलब 'ग्रेड मुद्रास्फीति' एक अंतरराष्ट्रीय घटना है, पर भारत में स्थिति कुछ अनोखी है। भारत में प्राप्तांकों का बढ़ना बोर्डों के बीच प्रतिस्पर्द्धा का भी परिणाम है। कई राज्यों में, राज्य और केंद्रीय, दोनों बोर्डों के छात्र कॉलेज की सीटों के लिए प्रतिस्पर्द्धा करते हैं। कॉलेज बोर्ड परीक्षाओं में उनके अंकों के आधार पर छात्रों का चयन करते हैं। अमूमन शिक्षा बोर्डों के बीच तुलना करते समय कोई समायोजन नहीं किया जाता है।

गौर करने की बात है कि 1970 और 1980 के दशक में केंद्रीय बोर्डों ने उन इलाकों में छात्रों को ज्यादा अंक देना शुरू कर दिया था, जहां उन्हें लगा कि उन्हें अपने छात्रों को संबंधित राज्य बोर्डों के साथ प्रतिस्पर्द्धा योग्य बनाने के लिए ऐसा करना होगा। धीरे-धीरे अन्य शिक्षा बोर्डों को भी एहसास हुआ कि वे भी ऐसा कर सकते हैं या उन्हें भी ऐसा करना होगा, तो धीरे-धीरे सबने ज्यादा अंक देना शुरू कर दिया। आज हर विषय में सौ प्रतिशत या उसके करीब अंक आना आम बात है। दिलचस्प है कि नगालैंड में 1975-79 के बीच बोर्ड के उच्चतम अंकों का औसत 75.4 प्रतिशत था, जो 1980-84 में बढ़कर 89.9 प्रतिशत और 2015 में बढ़कर 97.6 फीसदी हो गया। 2020 से चार वर्षों का औसत, जिसमें कोविड काल भी शामिल है, 98.8 प्रतिशत है। अन्य राज्यों में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है।

शीर्ष छात्रों को साल-दर-साल अधिक से अधिक अंक मिलने लगे हैं। इसके कई नकारात्मक नतीजे भी होते हैं। सबसे पहले इससे छात्रों, अभिभावकों और स्कूलों पर ज्यादा अंक लाने का दबाव बढ़ जाता है। कॉलेज में प्रवेश को लेकर भी तनाव बढ़ जाता है। छात्र ट्यूशन के लिए मजबूर होते हैं। दूसरी गंभीर समस्या, जिसे अक्सर महसूस नहीं किया जाता, वह यह है कि बोर्ड भी परीक्षा की कठिनाई व प्रश्नों के प्रकार को कम करना शुरू कर देते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा छात्र उच्च अंक प्राप्त कर सकें। वे बहुत उदारता से अंक देते हैं।

ज्यादा अंक लाने की होड़ अंकों के महत्व को बढ़ा देती है और सीखने-सिखाने पर कम जोर देती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अगर औसत दर्जे की पढ़ाई को भी शीर्ष ग्रेड मिलता है, तो यह पढ़ाई में कड़ी मेहनत के खिलाफ काम करता है। साथ ही, ज्यादा अंक यह गलत धारणा भी पैदा करते हैं कि छात्र और शिक्षा तंत्र बेहतर कर रहे हैं। अनेक लोग उच्च अंक से तब तक खुश रहते हैं, जब तक कि बेरोजगारी की नौबत नहीं आ जाती।

भारत जैसे देश में, जहां एक विशाल समूह परीक्षा देता है, वहां मानदंड संदर्भ नामक एक शानदार समाधान है, जिसमें प्रतिशत या ग्रेड का इस्तेमाल करने के बजाय 'पर्सेंनटाइल स्कोर' प्रदान करना शामिल है। शीर्ष 0.1 प्रतिशत विद्यार्थी दिल्ली में हों या तमिलनाडु में, उन्हें समान रूप से श्रेष्ठ माना जाए। यह न देखा जाए कि तमिलनाडु बोर्ड में छात्रों को अधिकतम 90 अंक मिले हैं और दिल्ली में 95 अधिकतम। दिल्ली के श्रेष्ठ और तमिलनाडु के श्रेष्ठ को समान स्तर पर माना जाए। पर्सेंनटाइल स्कोर का उपयोग हर परीक्षा में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के समूह की पहचान कर सकता है। जहां परीक्षार्थियों की संख्या बहुत ज्यादा और विविध है, वहां यह कारगर तरीका है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों में से एक सभी स्कूल बोर्ड में विद्यार्थियों के बीच शैक्षणिक मानकों की समानता सुनिश्चित करना है। सरकार इस मकसद को पूरा करने के लिए एक राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। बोर्ड परीक्षाओं में पर्सेंनटाइल का उपयोग एक महत्वपूर्ण तरीका हो सकता है और इससे देश में शिक्षा का स्तर सुधारने में मदद मिल सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आधी आबादी को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने छत्तीसगढ़ की पहल शानदार

सौरभ शर्मा, सहायक संचालक

आज विश्व जनसंख्या दिवस है। भारत के जनांकिकी आंकड़ों के मुताबिक भारत की औसत आयु 28 वर्ष है और इस नाते युवा शक्ति इस देश को आगे ले जाने में अपना बड़ा योगदान दे सकती है। दुनिया भर में जनांकिकी को आर्थिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। इस लिहाज से भारत में आर्थिक शक्ति की बड़ी संभावना है। जनांकिकी की तरक्की इस बात पर निर्भर करती है कि आधी आबादी की हिस्सेदारी कार्यक्षेत्र में कितनी है। इस दृष्टि में भारत में अभी महिलाओं की केवल 17 फीसदी आबादी कार्यक्षेत्र में है जबकि चीन की 40 प्रतिशत महिला आबादी कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में देखें तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की ग्रामीण विकास योजनाओं से सीधे महिलाओं की बड़ी आबादी आर्थिक गतिविधियों में संलग्न हो गई है।

इसका सबसे सुंदर उदाहरण गौठान और रीपा के माध्यम से आर्थिक गतिविधियां हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार बनने के बाद स्व-सहायता समूहों की संख्या तेजी से बढ़ गई। दिसंबर 2018 के बाद से अब तक 13 लाख से अधिक महिलाएं इन समूहों से जुड़ चुकी हैं। इस तरह से कार्यशील आबादी की संख्या में तेजी से विस्तार आया है।

इस बड़ी आबादी के कार्यशील गतिविधियों में लगे होने का अर्थव्यवस्था को लाभ तो होता लेकिन जब तक इनके लिए व्यवस्थित बाजार मुहैया नहीं कराया जाता तब तक यह लाभ प्रभावी नहीं हो पाते। छत्तीसगढ़ सरकार ने इनके लिए बाजार प्रदान किया। हर जिले में सी-मार्ट आरंभ किये गये। इन सी-मार्ट के माध्यम से हर क्षेत्र के खास उत्पादों को जगह मिली। उदाहरण के लिए बस्तर के दंतेवाड़ा में यदि भूमगादी समूह से जुड़ी कोई महिला जैविक चावल का विक्रय कर रही है तो उसके लिए बाजार केवल अपने आसपास के क्षेत्र तक नहीं है अपितु पूरा छत्तीसगढ़ और इसके बाहर भी बाजार उपलब्ध है। इसके साथ ही प्रशिक्षण का पक्ष भी महत्वपूर्ण है। जब महिलाएं एसएचजी से जुड़ती हैं तो बैंकिंग गतिविधियों से भी जुड़ती हैं एकाउंटेंसी से भी परिचित होती हैं और मार्केट को भी समझ पाती हैं। इस तरह पूरी तरह से आर्थिक कार्यकलापों के लिए दक्ष बनाने अपने को तैयार कर पाती हैं।

जब महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम हो रही हैं तो अपनी बेटियों को भी इस दिशा में तैयार कर रही हैं। छत्तीसगढ़ में स्कूल के अच्छे इंफ्रास्ट्रक्चर और महिलाओं में बढ़ी जागरूकता का प्रभाव स्कूलों में दर्ज संख्या से पता चलती है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे 5 में 10 से अधिक साल तक पढ़ाई करने वाली लड़कियों की संख्या में 36.9 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

महिलाओं के आगे आने से आर्थिक रूप से सबल होने से उनकी सामाजिक स्थिति भी सशक्त हो रही है। मुख्यमंत्री से भेंट मुलाकात के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जितनी संख्या में पुरुष हितग्राही अनुभव साझा करते हैं उतनी ही संख्या में महिला हितग्राही भी अपना अनुभव साझा करते हैं। इन सभाओं को देखकर महसूस होता है कि छत्तीसगढ़ का समाज सचमुच समतामूलक समाज है जहां महिलाओं और पुरुषों की कार्यक्षेत्र में बराबरी की भागीदारी हैं और दोनों ही मिलकर अपने प्रदेश के विकास की गाथा को गढ़ रहे हैं।

महिलाएं परिवार की धुरी होती हैं और आर्थिक रूप से सक्षम होने की वजह से उनके पास भी परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने की शक्ति आ गई है। चाहे बच्चों की पढ़ाई का मामला हों, उनके लिए ज्वैलरी खरीदी हो। वे निर्णय ले रही हैं। अपने सपनों को पूरा करने की जो शक्ति उनके भीतर आई है उससे उनके जीवन में खुशियां भी बढ़ी हैं।

गौठानों में आजीविकामूलक गतिविधियों का ट्रेंड देखें तो यह साफ होता है कि महिलाएं लगातार अपनी आर्थिक गतिविधियों का विस्तार कर रही हैं। जिन समूहों की महिलाएं वर्मी कंपोस्ट तैयार करती थीं। उन्होंने मशरूम का उत्पादन आरंभ कर दिया। तेल पिराई का काम करने लगीं। इस तरह अपने आसपास की बाजार की जरूरतों को भांपते हुए अपना कार्य क्षेत्र बढ़ाया। छत्तीसगढ़ में उद्यमशील समाज के निर्माण में अब इन महिलाओं की अहम भूमिका हो गई है।

इरादा बुलंद है, लेकिन...

इतिहास यह है कि मुद्रा की ताकत संबंधित देश की अंदरूनी अर्थव्यवस्था की ताकत से तय होती है। इसीलिए अगर भारत को अपने इरादे को सच में बदलना है, तो उसे पहले इस मामले में सशक्त होने के लिए काम करना चाहिए।

इस खबर से स्वाभाविक हलचल मची कि कच्चा तेल खरीदने के बदले कई भारतीय कंपनियां रूस को चीन की मुद्रा युवान में भुगतान कर रही हैं। बाद में एक मीडिया रिपोर्ट में यह आंकड़ा सामने आया कि कम से कम ऐसा दस प्रतिशत भुगतान युवान में हुआ है। इस तरह भारत भी इस समय दुनिया में चल रही मौद्रिक हलचल के बीच चीनी मुद्रा को मजबूत करने में सहायक बन गया है। इसी बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने यह खबर फिर से उछाली भारत ने अनेक देशों के साथ अपनी मुद्राओं में भुगतान करने का करार कर लिया है और इसके लिए जरूरी बैंकिंग सिस्टम भी बना लिया गया है। उधर विदेश मंत्री एस जयशंकर से पिछले दिनों जब ब्रिक्स की प्रस्तावित अपनी करेंसी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने इसकी संभावना से सिरे से इनकार करते हुए कहा कि भारत का इरादा अपने रुपये को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बनाने का है। कहा जा सकता है कि यह इरादा प्रशंसनीय है और भारत अगर भविष्य में महाशक्ति बनना चाहता है, उसे ऐसी महत्त्वाकांक्षा अवश्य रखनी चाहिए। मगर फिलहाल हकीकत इस महत्त्वाकांक्षा से मेल नहीं खाती।

20 से ज्यादा देशों के साथ आपसी मुद्रा में लेन-देन का करार कई महीने पहले हो चुका था। लेकिन उसमें असल में लेन-देन रूस और श्रीलंका के साथ ही शुरू हो सकी और अब संभावना है कि ऐसा बांग्लादेश के साथ होगा। इसी बीच रूस ने रुपये में भुगतान लेना रोक दिया। इस तर्क पर भारत से आयात के बदले भुगतान करने के बाद भी उसके पास जो भारतीय रुपया जमा हो रहा है, उसका कोई उपयोग नहीं है। यह मुद्दा देर-सबेर अधिकांश देशों की तरफ से उठाया जाएगा। कारण यह है कि वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा सिर्फ दो प्रतिशत है। इतिहास यह है कि मुद्रा की ताकत संबंधित देश की अंदरूनी अर्थव्यवस्था की ताकत- और खासकर निर्यात क्षमता से तय होती है। इसीलिए अगर भारत को अपने इरादे को सच में बदलना है, तो उसे पहले इन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। जड़ मजबूत ना हो, तो फुनगी पर फूल लगाने की कोशिश कामयाब नहीं होती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

सावन माह में मंदिरों में भक्तों की लग रही कतार भोलेनाथ के कर रहे दर्शन

रायपुर। सावन मास में इस बार अधिमास होने के कारण दो सावन होने की वजह से राजधानी सहित प्रदेशभर में शिवालयों में सुबह से ही नदी तालाब में स्नान कर श्रद्धालुओं द्वारा देवों के देव आदि देव महादेव की प्रतिमा पर जलाभिषेक किया जा रहा है। राजधानी में सुबह से ही कांवरियों की टोली हर-हर महादेव का उद्घोष करते हुए भगवा वस्त्र पहनकर हटकेश्वरनाथ के दर्शन के लिए जाते हुए दिखाई देते हैं। वहीं सोमवार को शहर के सभी शिवालयों एवं शंकर मंदिरों में सुबह 4 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महादेव के दर्शन किए। जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक के साथ ही बेल पत्र, मंदार के लाल फूल, धतूरा आदि पूजन सामग्री समर्पित कर भोलेनाथ से परिवार सहित प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सावन मास में भोलेनाथ का श्रद्धापूर्वक पूजन करने से अक्षय सुखों की प्राप्ति होती है, वहीं अविवाहित कन्याओं द्वारा भोलेनाथ का पूर्ण भक्तिभाव से पूजन करने पर मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है।

नगर पालिका बलरामपुर में मुख्यमंत्री मितान योजना का शुभारंभ

बलरामपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश के नगरीय निकायों के लिए 01 जुलाई 2023 को मुख्यमंत्री मितान योजना का वर्चुअल शुभारंभ किया। उनका सपना था की नगरीय निकाय में आम जनता को छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालय के चक्कर न काटना पड़े। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी सोच के परिणामस्वरूप अब बलरामपुर नगर पालिका के लोगों को घर बैठे 25 प्रकार की नागरिक सेवाएं मिलना प्रारंभ हो गया है। नगर पालिका बलरामपुर निवासी श्रअमित राज मुख्यमंत्री मितान योजना के प्रथम हितग्राही बने। उन्होंने टोल फ्री नंबर 14545 में कॉल करके अपनी दुकान का गुमास्ता लाइसेंस के लिए पंजीयन कराया। अल्प समय में ही नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुन्दरमणी मिंज, उपाध्यक्ष नवीन गुप्ता, पार्षदगण, नगर पालिका अधिकारी सुमित गुप्ता हितग्राही के दुकान में पहुंचकर गुमास्ता लाइसेंस पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र के त्वरित घर पहुँच सेवा से अमित राज और उनके परिवार के सदस्य खुश हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया। इसी तरह से सोचना राम को आय-प्रमाण पत्र एवं श्रेय सिंह को जन्म प्रमाण पत्र घर जाकर प्रदान किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर पालिका अधिकारी सुमित गुप्ता ने बताया कि योजना के अंतर्गत 25 प्रकार की सेवाएं घर बैठे प्रदान की जाएगी जिसमें जन्म प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार, मृत्यु प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार, मूल निवासी प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण और प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग प्रमाण पत्र, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र, दुकान और स्थापना पंजीकरण संबंधी दस्तावेज शामिल है।

अतिवृष्टि-अल्पवर्षा दोनों स्थितियों से निपटने तैयार रखें वैकल्पिक योजना: डॉ. अलंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभागायुक्त डॉ. संजय अलंग ने कार्यालय के सभाकक्ष में कृषि और संवर्गीय विभागों के कामकाज की संभाग स्तरीय समीक्षा की। डॉ. अलंग ने पांचों जिलों के कृषि, पशुपालन, मछलीपालन और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों को बारिश की अनिश्चितता को देखते हुए अतिवृष्टि और अल्पवर्षा दोनो ही स्थितियों से निपटने के लिए वैकल्पिक योजना भी तैयार रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से संभाग में आज तक हुई बारिश और फसलों की बोनी आदि की भी जानकारी ली। डॉ. अलंग ने दलहनी और तिलहनी फसलों को चालू खरीफ मौसम के निर्धारित लक्ष्य अनुसार बोआई कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। संभागायुक्त ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को ग्रामीण इलाकों में पशुओं के टीकाकरण में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने चालू खरीफ मौसम में खेतों में लगी फसलों को मवेशियों की चराई से बचाने के लिए रोका-छेका अभियान को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश भी दिए। संभागायुक्त ने कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी फसलों के उत्पादन सहित मछली पालन को ग्रामीणों के रोजगार के रूप में स्थापित करने के लिए भी विशेष प्रयास करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में रायपुर संभाग में शामिल जिलों रायपुर, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद और बलौदाबाजार-भाटापारा के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

शासकीय योजनाओं और नई तकनीकों के प्रचार-प्रसार पर दिया जोर- संभागायुक्त डॉ. अलंग ने बैठक में कृषि और उससे जुड़े विभागों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी बताया। उन्होंने विभागों की शासकीय योजनाओं का विस्तार अधिकारियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। डॉ. अलंग ने कहा कि विभागीय योजनाओं की पूरी जानकारी ग्रामीण विस्तार अधिकारियों को रहे ताकि वे ग्रामीणों को संतुष्टि के स्तर तक योजनाओं की समझाइस दे सकें। संभागायुक्त ने यह भी कहा कि खेती-किसानी, मछली पालन से लेकर सब्जी उत्पादन, फल-फूल उत्पादन और पशुपालन की नई-नई तकनीकों को भी ग्रामीणों को अधिक से अधिक बताया जाए ताकि वे इन तकनीकों से उत्पादन को बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें। डॉ. अलंग ने राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रचार-प्रसार और शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के लिए भी प्रयास करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

खेती-किसानी के लिए ग्रामीणों को ना हो कोई तकलीफ पहले से रहें इंतजाम- बैठक में डॉ. अलंग ने चालू खरीफ मौसम के संदर्भ में खेती-किसानी के लिए खाद-बीज-दवा, पशुओं के टीकाकरण के वैक्सीन, मछली उत्पादन के लिए बीज और अन्य जरूरी वस्तुएं, उद्यानिकी फसलों के बीज, दवा आदि की उपलब्धता और वितरण की भी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने निर्देशित किया कि किसी भी स्थिति में किसानों को बीज-खाद-दवा आदि वस्तुओं की कमी ना हो। खेती-किसानी, पशुपालन आदि से जुड़ी आदान सामग्रियों का पहले से ही पर्याप्त मात्रा में भण्डारण सुनिश्चित कर लिया जाए। इन सामग्रियों की किसानों को उपलब्धता भी सरलता और सुगमता से सुनिश्चित कराने के निर्देश संभागायुक्त ने अधिकारियों को दिए। डॉ. अलंग ने किसानों को आसानी से कृषि ऋण उपलब्ध कराने के लिए भी व्यापक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने धान के बदले अन्य फसलों की खेती के लिए भी आसानी से किसानों को कृषि ऋण स्वीकृत करने के निर्देश दिए।

अनाधिकृत निर्माणों को नियमित कराने एक माह बढ़ी अवधि

नियमितिकरण के लिए जल्द करें आवेदन: कलेक्टर की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिले में घरों और प्लाटों पर अनाधिकृत तरीके से बनाएं गये भाग का नियमितिकरण कराने की अवधि एक महीने बढ़ा दी गई है। अपने अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने के लिए अब 12 अगस्त तक आवेदन लिए जाएंगे। जिले में अनाधिकृत निर्माणों का नियमितिकरण तेजी से किया जा रहा है। रायपुर जिले में अब-तक सात हजार 785 अनाधिकृत निर्माण कार्य नियमित किये जा चुके है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे की अध्यक्षता में नियमितिकरण प्राधिकार समिति की बैठक नियमित रूप से हर महीने 15 तारीख को आयोजित की जा रही है। अनाधिकृत निर्माण को नियमित कराने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 दिन बढ़ाकर 12 अगस्त 2023 निर्धारित की गई है।

अब तक 7 हजार 785 अनाधिकृत निर्माण नियमित हुए- कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे की अध्यक्षता में अनाधिकृत विकास का नियमितीकरण प्राधिकार समिति की हर महीने होने वाली बैठकों में अब तक 7 हजार 785 अनाधिकृत विकास-निर्माण कार्यो को नियमित किया जा चुका है। इनमें से 3 हजार 745 अनाधिकृत निर्माण निःशुल्क नियमित किए गए है। 120 वर्गमीटर से अधिक के 2 हजार 164 अनाधिकृत निर्माण और 1 हजार 876 गैर आवासीय अनाधिकृत निर्माण कार्य भी अब तक नियमित किए जा चुके है। रायपुर जिले में अब तक सबसे अधिक रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 10 में 1 हजार 65 अनाधिकृत निर्माण कार्य नियमित हुए है। रायपुर जिले में अब तक नगर-निगम रायपुर के जोन एक में 918, जोन दो में 391, जोन तीन में 554, जोन चार में 261, जोन पांच में 718, जोन छह में 925, जोन सात में 511, जोन आठ में 857, जोन नौ में 947 तथा जोन दस में 1065 प्रकरणों में अनाधिकृत निर्माण को नियमित करने का अनुमोदन किया गया है। इसी तरह बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में 421, नवा रायपुर विकास प्राधिकरण क्षेत्र में 14, कुर्रा और खरोरा, आरंग, तिल्दा आदि निवेश क्षेत्रों में 23 और रायपुर बाहय वृद्धि क्षेत्र में 143 अनाधिकृत निर्माण को नियमित किया गया है।

शासन की योजनाओं का लाभ अनुसूचित जाति वर्ग को दिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष के. पी. खाण्डे ने आज कोरबा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए संचालित शासन की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि योजनाओं का लाभ पात्र लोगों दिलाना सुनिश्चित करें। अध्यक्ष श्री खाण्डे ने इस मौके पर आयोग की कार्यप्रणाली और अनुसूचित जाति वर्ग के हितों के संरक्षण के लिए संचालित प्रावधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ग के हितों की रक्षा के लिए आयोग प्रतिबद्ध है। आयोग के अध्यक्ष ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि छात्रावास, आश्रमों में बच्चों को योजनाओं का लाभ निर्धारित नियमों के

अनुसार मिलना चाहिए। अश्पृश्यता निवारण के संबंध में जनजागरूकता तथा अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि यथाशीघ्र प्रदान किया जाना चाहिए। इस मौके पर उन्होंने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

रीपा की सेवा गतिविधियों में आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा प्रथम और कांकेर दूसरे स्थान पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की रीपा योजना वास्तव में सुराजी गांव योजना के तहत गांवों में निर्मित गौठान में संचालित आयमूलक गतिविधियां का प्रमुख केन्द्र है। रीपा केन्द्रों में विभिन्न गतिविधियों संचालित की जा रही है। सेवा गतिविधियों में राज्य के आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा प्रथम और कांकेर द्वितीय स्थान पर है।

गौठानों में रीपा के माध्यम से आयमूलक गतिविधियों के संचालन के लिए शासन द्वारा आधारभूत संरचनाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे समूह की महिलाओं एवं ग्रामीणों को स्व-रोजगार की गतिविधियों के संचालन में मदद मिल रही है। रीपा में काम करने के पूर्व उद्यमियों को शासन द्वारा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की गई है इसके साथ ही रीपा केंद्रों में संचालित गतिविधियों का सतत् निरीक्षण भी किया जा रहा है।

ज्ञात हो राज्य के विभिन्न गौठानों में कुल 300 रीपा केंद्र का संचालन किया जा रहा है। इन रीपा केंद्रों में 5849 महिलाएं और 4107 पुरुष आजीविका गतिविधियों को संचालित कर रहे है।

राज्य शासन द्वारा इन रीपा केंद्रों में 1546 गतिविधियां प्रस्तावित की गई है,जिनमे से 1103 गतिविधियां संचालित हो रही है। जून की स्थिति में 213 रीपा केंद्रों में सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है इन सेवा गतिविधियों में आधार केंद्र, बीसी सखी, कंप्यूटर, कूलर और मोटर वाहन रिपेयर, रेस्टोरेंट, फोटोकॉपी, प्रिंटिंग मशीन, पेयजल, टेंट एवं कैटरिंग का कार्य किया जा रहा है।

इन गतिविधियों से हितग्राहियों को 37 लाख रुपए की आय मिल चुकी है। सेवा गतिविधियों में राज्य के आकांक्षी जिला दंतेवाड़ा प्रथम और कांकेर द्वितीय स्थान पर है। छत्तीसगढ़ सरकार की रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) योजना से गांवों में ग्रामीणों को रोजगार व स्व-रोजगार मिलने लगा है। गांवों को उत्पादन का केन्द्र और ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई। इस योजना से अब ग्रामीण परिदृश्य में एक सकारात्मक बदलाव आने लगी है।

सामग्रियों के पैकेजिंग करने के लिए फूड लैब की सुविधा

जशपुर सी-मार्ट में 2 करोड़ 40 लाख रूपए से अधिक की हुई बिक्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गांव को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए महात्मा गांधी औद्योगिक पार्क (रीपा) की शुरूआत की है। स्व-सहायता समूह की माहिलाएं आज विभिन्न आजिविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर सफलता की नई कहानियां लिख रही है और अपने सपने को साकार करने छत्तीसगढ़ शासन ने महिलाओं की सामग्रियों को विक्रय कराने के लिए सी-मार्ट की भी सुविधा दी गई है।

जशपुर के सी-मार्ट से अब तक स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने 2 करोड़ 40 लाख रूपए से अधिक की सामग्रियों बिक्री की है। गौठान में उत्पाद सामग्रियों का पैकेजिंग करने के लिए फूड लैब की सुविधा प्रशासन ने उपलब्ध कराई है।

पत्थलगांव विकासखण्ड बहनाटांगर गौठान में पोल निर्माण, सरसों तेल का उत्पादन, सामुदायिक बाड़ी, मुर्गी हेचरी, मुर्रा उत्पादन, टोमेटो केचअप का कार्य बेहतर तरीके से कर रही हैं। समूह की महिलाओं को 6 हजार पोल निर्माण से 4 लाख 20 हजार रूपए की शुद्ध आमदनी हो चुकी है। सामुदायिक बाड़ी और बकरी पालन से महिलाएं अतिरिक्त आय अर्जित कर रही हैं। उनके द्वारा मुर्रा बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। पूजा स्व-सहायता समूह की महिलाएं रीपा के तहत् सरसों तेल पेराई का कार्य कर रही है। प्रशासन ने उन्हें मशीन की सुविधा भी दी है।

तेल की शुद्धता के कारण स्थानीय लोगों तथा अन्य दुकानों में भी इसकी मांग निरंतर बनी रहती है। सामुदायिक बाड़ी से शक्ति स्व-सहायता की महिलाएं हरी साग-सब्जी में टमाटर, भिन्डी, बरबट्टी, लौकी, हरी मिर्च एवं अन्य सब्जियां उगाई जा रही हैं। स्थानीय हाट बाजार में साग-सब्जी आसानी से हाथों-हाथ बिक जाती है। अच्छी आमदनी होने के कारण महिलाएं इसे रूचि लेकर भी कर रही है। मुर्गी हेचरी का कार्य जय माता स्व-सहायता समूह के द्वारा अंडे से चूजा उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। मुर्गी के चूजे को अन्य गौठानों में भी मांग के अनुसार भेजा जाता है।

संस्कार स्व-सहायता समूह की महिलाएं टोमेटो केचअप बनाने का कार्य कर रही हैं। इसी प्रकार कासाबेल विकासखण्ड के ग्राम रजौटी (बगिया) गौठान की रानी स्व-सहायता समूह की महिलाएं हल्दी की खेती, मसाला की खेती कर ही है। महिलाओं ने अब तक मसाला उत्पादन से अच्छी आमदनी अर्जित कर चुकी है। महिलाओं द्वारा तैयार सामग्रियों को सी-मार्ट के साथ-साथ स्कूल के आश्रम छात्रावास, स्थानीय हाट बाजार, जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में विक्रय किया जाता है। इससे महिलाओं को अच्छी आमदनी हो रही है।

खेल अकादमियों के लिए हुआ चयन ट्रायल, 650 से अधिक खिलाड़ी हुए शामिल

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के द्वारा रायपुर एवं बिलासपुर में संचालित आवासीय एवं गैर आवासीय अकादमी के लिए स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा रायपुर एवं सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैदान रायपुर में खिलाड़ियों का चयन ट्रायल का आयोजन 11 एवं 12 जुलाई को किया गया। इसमें 650 से अधिक खिलाड़ी शामिल हुए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रायपुर में संचालित गैर आवासीय तीरंदाजी, बालिका फुटबॉल अकादमी, गैर आवासीय हॉकी अकादमी, आवासीय एथलेटिक्स अकादमी के लिए खिलाड़ियों का चयन ट्रायल किया गया।

खास खबर...

मोदी सरकार ने दिया दो खेल अकादमी का उपहारः भाजपा

रायपुर (ए)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा छत्तीसगढ़ को खेलो इंडिया की दो एकेडमी का उपहार देने के लिए कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बहूत ही गर्व का विषय है कि बास्केटबॉल की नर्सरी राजनांदगांव में खेलो इंडिया की दो एकेडमी की स्वीकृति प्राप्त हुई है। दिल्ली पब्लिक स्कूल राजनांदगांव एवं युगांतर पब्लिक स्कूल राजनांदगांव को बास्केटबाल खेल की बालक एवं बालिकाओं की ऐक्रिडिएटेड एकेडमी बनाने की स्वीकृति भारत शासन ने प्रदान की है। इस एकेडमी के लिए चयनित खिलाड़ियों पर भारत सरकार 6 लाख 28 हजार रुपये सालाना खर्च करेगी। मोदी सरकार की इस पहल से छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं के वैश्विक स्तर पर उज्वल भविष्य की संभावनाओं के द्वार खुल गए हैं। उन्होंने राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय को उनके प्रयास की सफलता पर बधाई देते हुए राज्य की खेल प्रतिभाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री साव ने आव्हान किया कि छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाएं मोदी की मंशा के मुताबिक खेलो इंडिया के विराट अभियान का हिस्सा बनकर देश दुनिया में छत्तीसगढ़ महतारी का मान बढ़ाएं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को खेलों की दुनिया में वैश्विक मानचित्र में सम्मानजनक स्थान दिलाने के लिए अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। उन्होंने हर टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया है। जो खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन करके विजेता बने, उनका सम्मान किया और जो सफलता से चूक गए, उन्हें सफलता के मंत्र दिए। जिसकी वजह से उन खिलाड़ियों ने आगे चलकर देश की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश की। इसी का परिणाम है कि आज भारत के खिलाड़ी विश्व में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। दुनिया के बड़े-बड़े टूर्नामेंटों में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर खेलों के विकास और खिलाड़ियों की सुविधा, उनकी प्रतिभा के विकास के हर संभव प्रयास कर रहे हैं। उन्हें प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब छत्तीसगढ़ को दो खेल अकादमी स्वीकृत की गई हैं। जिसके अच्छे परिणाम भविष्य में सामने आएंगे और हमारे प्रदेश की खेल प्रतिभाएं विश्व स्तर पर अपना कौशल दिखाएंगी।

मुख्यमंत्री के सलाहकार ने गौठानों का किया निरीक्षण

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने बुधवार को शहर के धरसींवा विकासखंड के गौठान दतरेंगा, धनेली, भटगांव स्थित गौठानों का निरीक्षण किया। उन्होंने गौठानों में व्यवस्थाओं की जानकारी ली। शर्मा ने रायपुर शहर के आसपास विचरण करने वाले आवारा पशुओं को रखने के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन तीनों गौठानों में आवारा पशुओं के रहने, खाने और पीने का पानी का उत्तम प्रबंध करें। इस संबंध में एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ अबिनाश मिश्रा तथा विभिन्न अधिकारीगण उपस्थित थे।

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालयः एशिया का सबसे बड़ा संगीत विश्वविद्यालय, पढ़ने आते हैं विदेशी छात्र, सरकार ने किया विस्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में स्थित एशिया के सबसे बड़े संगीत विश्वविद्यालय का राज्य सरकार ने विस्तार कर दिया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर रायपुर में ऑफ कैंपस सेंटर (अध्ययन केंद्र) खुलने जा रहा है। यह छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम के पुराने भवन पेंशनबाड़ा में खुलेगा। ऑफ कैंपस सेंटर खोलने के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति मोक्षदा चंद्राकर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था। कुलपति के पत्र पर मुख्यमंत्री ने सहमति दी है। रायपुर में ऑफ कैंपस सेंटर के साथ दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर में भी इसी वर्ष संगीत कॉलेज खोलने की अनुमति मिली है। इन संस्थाओं को संचालित करने के लिए वित्त विभाग ने 91 पदों को स्वीकृत किया है।

यह होगा फायदा

नए संगीत के कॉलेज और अध्ययन केंद्र खुलने से अभ्यर्थियों को खैरागढ़ तक दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। संगीत के क्षेत्र में नए कॉलेज खुलने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और छत्तीसगढ़ की कला-संस्कृति का विकास हो सकेगा। प्रत्येक कॉलेजों में कम से कम 60-60 सीटें बढ़ जाएंगी। इससे दाखिले के अवसर भी बढ़ेंगे।

71 विदेशी छात्रों ने इस साल किया आवेदन

प्रदेश के संगीत विश्वविद्यालय में श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, मारीशस, रूस, नेपाल व अन्य विदेशों के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। इस वर्ष विदेश से 71 आवेदन आए हैं। गौरतलब है कि खैरागढ़ का इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय एशिया के उन कुछ चुनिंदा संस्थानों में से है जो संगीत और कला के लिएपूरी तरह समर्पित है। यह एशिया का पहला ऐसा संस्थान है। जो कला और संगीत में उच्च शिक्षा देने के लिए स्थापित किया गया।

1956 में रखी गई थी विश्वविद्यालय की नींव

खैरागढ़ आजादी से पहले एक छोटी-सी स्वतंत्र रियासत थी। जहां के राजा बीरेंद्र बहादुर सिंह और रानी पद्मावती ने ही 1956 में इस विश्वविद्यालय की नींव रखी थी। इसकी स्थापना के लिए उन्होंने अपना राजभवन दान किया था। आज भी विश्वविद्यालय का कामकाज इसी भवन में होता है। इस विश्वविद्यालय में देश-विदेश की विद्यार्थी अध्यनरत है। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय कुलपति मोक्षदा चंद्राकर ने कहा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संगीत को महत्व दिया है। यही कारण है कि उन्होंने विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए चार संगीत के नए कालेज और एक अध्ययन केंद्र खोलने की अनुमति दी है। ये संस्थान इसी सत्र से शुरू हो जाएंगे।

गृहस्थ दांपत्य की सीख कृष्ण जी के दांपत्य जीवन से लेंः पंडित मेहता

रायपुर (ए)। आज के रिश्ते केवल दिखावे मात्र के रह गये हैं, गहराई खत्म होते जा रही है इसके दोषी और कोई नहीं हम स्वयं है। जीवन में रिश्ते और नातों का बहुत महत्व है, रिश्ते हम बनाते है नाते भगवान बनाता है। रिश्तों को टिकाने की पूरी जवाबदारी हमारी होती है और यदि नाते टूटने लगे तो भगवान के सिवाय और कोई नहीं जोड़ सकता इसलिए रिश्ते और नातों को बनाएं रखे। श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन भगवान कृष्ण की गृहस्थ जीवन का वर्णन करते हुए पंडित विजय शंकर मेहता ने ये बातें बताई। कथा प्रारंभ होने से पूर्व संस्था की ओर से पंडित विजय शंकर मेहता के सम्मान स्वरुप तैयार किया गया सम्मान पत्र पाठ करने के बाद उन्हें भेंट किया गया। इस अवसर पर लव फॉर ह्मयुमैनिटी नींव संस्था के सदस्य गण सुभाष राठी, शिवनारायण मुंदड़ा, प्रकाश माहेश्वरी, डॉ. सतीश राठी, रमेश सोमानी, बसंत राठी, मुकेश शाह, रमेश झंवर, राकेश सोमानी, प्रमोद बियानी, पवन सोनी, पंकज लड्ढा, ऋषि पुंगलिया, कमल कोठारी, नरेंद्र डागा, राजेश डागा, संतोष परमार, प्रतीक प्रकल्प राठी, मोहन उपस्थित थे।

पंडित मेहता ने कहा कि संसार में रिश्ते तो मनुष्य बनाता है और रिश्ते को निभाने की जवाबदारी भी उसकी ही होती है, रिश्ते न टूटे और बने रहें और यदि किसी कारणवश यदि उनमें किसी प्रकार की दरार आ जाएं तो उसे दूर करने का भी जवाबदारी हमारी है, प्रयास यह करना चाहिए कि रिश्ते हमेशा बने रहें और उसमें मिठास भी पूर्वत कायम रहें, दुख के समय में यही रिश्ते सहारा बनते है। नाते भगवान बनाता है और नाते बनाने का अधिकार किसी को नहीं है, यह ऊपर से ही तय होकर आता है कि कौन माता-पिता होंगे, कौन भाई-बहन, कौन पति-पत्नी होंगे, यदि नातों में कहीं कोई गड़बड़ हो जाए तो सीधा भगवान से ही इसे ठीक करने को कहना चाहिए क्योंकि नातों को बनाया भी उन्होंने ही है तो उसे जोड़ेंगे भी वही और उसकी जवाबदारी भी उन्हीं की है, उन पर भरोसा होना चाहिए क्योंकि वे ही सब ठीक करते है।

चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के मॉडरेटर ने की विकास कार्यों की शुरुआत

रायपुर (ए)। चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के मॉडरेटर द मोस्ट रेवरेंड बिजय कुमार नायक वे बुधवार को राजधानी में विकास कार्यों की शुरुआत की।

इस मौके पर छत्तीसगढ़ डायसिस के बिशप द राइट रेवरेंड अजय उमेश जेम्स, सिनड के कोषाध्यक्ष सुब्रता गोराई, डायसिस के सचिव नितिन लारेंस, उपाध्यक्ष रेवरेंड केएम बर्मन व कोषाध्यक्ष अजय जॉन व कार्यकारिणी सदस्य, प्रेम मसीह पूर्व एमडी यूसीएनआईटी पूणे, संजय सिंह एमडी यूसीएनआईटीए मुंबई, बिशप मनोज चरण इंदौर, रेवरेंड श्रीनिवास एस कोल्हापुर.रेवरेंड एस. एस. गेमल चंडीगढ़, डॉ. लाल बहादूर कांबले नासिक, राकेश छत्री लखनऊ भी शामिल हुए।

डायसिस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने बताया कि मेहमानों और धर्म गुरु का छत्तीसगढ़ लोक संस्कृति से स्वागत किया गया। संचालन रूचि धर्मराज ने किया। डायसिस ऑफिस सुपरीटेंडेंट आलोक रंजन व स्टाफ, प्रदेशभर के पादरी, चर्चों के पदाधिकारी, महिला सभा, सन्डे स्कूल और युवा सभा भी शामिल हुए। मॉडरेटर ने राजधानी में सीएनआई की कलीसियाओं के कार्यक्रमों में शिकार की।

उन्होंने सेंट जेकब चर्च जोरा, पार्सनेज व चर्च टॉवर का डेडिकेशन, बिशप्स हाउस चैपल का डेडिकेशन, सेंट पॉल्स कैथेड्रल, पार्सनेज व मैरिज हॉल का शिलांयास, ग्रेस चर्च ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी, सालेम इंग्लिश स्कूल हाल डेडिकेशन, डायसिस ऑफ छत्तीसगढ़ कांफ्रेंस हॉल डेडिकेशन, चैरिटेबल मेडिकल डिस्पेंसरी की ओपनिंग की। मॉडरेटर ने पास्टर्स, सचिवों, कोषाध्यक्षों व चर्च के अगुवों के साथ संवाद किया।

सिनड के पदाधिकारियों का बिलासपुर प्रवास

बिलासपुर में गुरुवार को कई कार्यक्रम होंगे। रेवरेंड अनिल चौहान, रेवरेंड शैलेष लूक सालोमन, जयदीप एस. रॉबिंसन, सिल्विया सॉय व स्मिता बख्श, एफ ऑस्टिन की अगुवाई में तैयारियां की जा रही हैं। पदाधिकारी सुबह 8 बजे रायपुर से बिलासपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। प्रातः 10 बजे बर्जेस इंग्लिश स्कूल बिलासपुर में कार्यक्रम होगा। प्रातः 11 बजे सेंट अगस्टीन चर्च बिलासपुर में कार्यक्रम के बाद सभी रायपुर के लिए रवानगी लेंगे।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना से संवर रहे स्कूल

रायपुर (ए)। मुख्यमंत्री बघेल की विशेष पहल पर राज्य में सरकारी स्कूल, छात्रावास एवं आश्रम शाला भवनों की मरम्मत, रंग-रोगन एवं आवश्यक अधोसंरचना के निर्माण का काम तेजी से कराया जा रहा है। अब तक 1918 स्कूलों की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 13,495 भवनों की मरम्मत एवं रंग-रोगन का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। स्कूलों, छात्रावासों एवं आश्रम शालाओं के रेनोवेशन का यह कार्य 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना' के अंतर्गत कराया जा रहा है। इसके लिए अब तक 2033 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

गौरतलब है कि राज्य में शैक्षणिक संस्थानों जैसे स्कूल, छात्रावास, आश्रम शालाओं में आवश्यक मरम्मत एवं अधोसंरचना के निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना' संचालित की जा रही है, इस योजना का उद्देश्य शाला भवनों एवं छात्रावासों की मरम्मत एवं रेनोवेशन कराया जाना है। इसके साथ ही यदि कोई भवन जर्जर एवं अनुपयोगी हो गया हो तो उसको डिमॉलिस कराने के साथ ही आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कमरों का निर्माण किया जाना है।

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के राज्य में स्कूल भवनों, छात्रावासों के मरम्मत एवं रेनोवेशन के लिए 27,514 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिसकी लागत 2033 करोड़ रुपए है, तहत छत्तीसगढ़ में 26 हजार 388 स्कूलों को संवारने का कार्य किया जा रहा है। शिक्षा विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला कलेक्टरों द्वारा अब तक 26,388 निर्माण कार्यों की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है, जिनमें से 1918 कार्य पूरे कर लिए गए हैं और 13,495 कार्य प्रगति पर हैं। जिन स्कूलों, आश्रम शालाओं, छात्रावासों में मरम्मत कार्य पूर्ण हो गया है, वे अब नए स्वरूप में नजर आ रहे हैं, यहां बच्चों को बेहतर परिवेश में पढ़ने की सुविधा मिल रही है।

युवा ही तोड़ेंगे मोदी-भाजपा का अहंकार लाएंगे देश मे बदलावः धनंजय सिंह ठाकुर

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के युवाओं से संवाद कार्यक्रम से युवाओं को धोखा देने वाले भाजपाई तिलमिला रहे हैं। भाजपा ने हमेशा युवाओं को गुमराह किया है धोखा दिया है बरगलाया है और दिशाहीन करने का प्रयास किया है भूपेश बघेल की सरकार युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षा रोजगार की दिशा में अनेक काम किए हैं बीते साढ़े 4 साल में 5 लाख युवाओं को रोजगार स्वरोजगार और सरकारी नौकरी के माध्यम से रोजगार दिया और आने वाले 5 वर्ष में रोजगार मिशन के माध्यम से 15 लाख युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है प्रदेश के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है साथ में कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहे हैं अभी वन विभाग शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग कृषि विभाग सहित हर विभाग में सरकारी नौकरी की भर्तियां चल रही है यही भाजपा के लिए पीड़ा का विषय है।

प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा मोदी के 9 साल पूरा होने पर युवाओं से चर्चा करने गए थे युवाओं ने तवज्जो नहीं दिया इससे भाजपा को समझ में आ गया है कि मोदी का जुमला और भाजपा का झूठ नहीं चलने वाला है इसीलिए प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जिसे प्रदेश के युवा कका कहकर पुकारते हैं उनके युवा संवाद कार्यक्रम से भाजपा में हड़कंप मचा है।

उन्होंने कहा कि युवा ही मोदी भाजपा का अहंकार तोड़ेंगे देश में बदलाव लाएंगे। पढ़ा लिखा युवा समझ रहे हैं कि जिस प्रकार से मोदी सरकार ने दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने के नाम से 9 साल से युवाओं को धोखा दिये। उसी तरह ही मोदी भाजपा ने किसानों की आमदनी दुगुनी का वादाकर पूरा नही किया, आज किसान हताश और परेशान हैं महिलाएं असुरक्षित है महंगाई चरम सीमा पर है बेरोजगारी बढ़ रही है देश में 9 साल में कर्ज 155 लाख करोड़ हो गया है आजादी के बाद 14 प्रधानमंत्रीयो ने 55 लाख करोड़ कर्ज लिया था। सरकारी संपत्ति बिक रही है केंद्र ने सरकारी नौकरी में भर्ती को बंद करके रखा है और ट्रेन में प्रतियोगी परीक्षा के लिए यात्रा करने के दौरान जो युवाओं को छूट मिलती थी उसे भी खत्म कर दिया गया है प्रतियोगी परीक्षा के शुल्क के नाम से मोदी सरकार ने 9 साल में 600 करोड़ रुपए के करीब युवाओं से वसूल लिया है और मात्र 75000 नियुक्ति पत्र देकर देश के करोड़ों युवाओं को धोखा दिया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

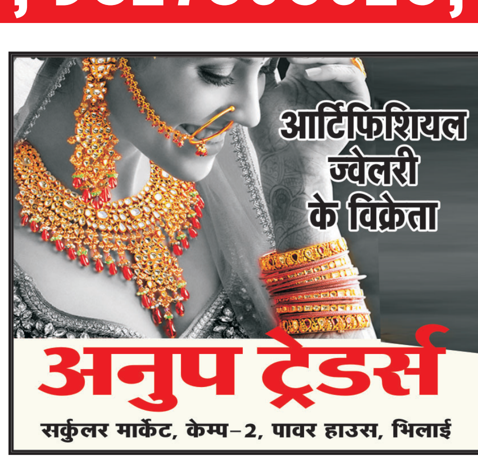

बारिश में भीग भी जाएं तो भी खराब नहीं होगा मेकअप, ये है मानसून के स्मार्ट मेकअप टिप्स

मानसून का मौसम आते ही महिलाओं को सबसे बड़ी चिंता होती है मेकअप की। खासकर अगर आप कॉलेड गोइंग है, वर्किंग वुमेन हैं या फिर किसी खास पार्टी फंक्शन के लिए तैयार होने वाली हैं तो मेकअप करने से पहले आपका बारिश के मिजाज को समझना पड़ता है। लेकिन अब हम आपको ऐसे स्मार्ट मेकअप टिप्स देने जा रहे हैं जो बारिश में भीग जाने पर भी खराब नहीं होगा। यानि आप अगर बारिश में नहा भी लें तो भी ये मेकअप फैलेगा नहीं। तो आइए जानते हैं मानसून में मेकअप करने के ये स्मार्ट टिप्स जो आपको और भी सुंदर बना देंगे।

■मानसून के मौसम में मेकअप करने से पहले अपने चेहरे पर मैटिफाइंग प्राइमर लगाएं ऐसा करेंगी तो आपका मेकअप बारिश के दिनों में ज्यादा देर तक स्टे करेगा।

■फाउंडेशन लगाने से बचना नहीं है। कुछ लोग बारिशों में फाउंडेशन ना लगाने की सलाह भी देते हैं लेकिन आपको वॉटरप्रूफ या फिर जेल मिक्स करते फाउंडेशन को लाइट बनाकर फिर उसे स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। ऐसा करने से आपका फाउंडेशन दिनभर चेहरे पर स्टे करेगा और बारिश की बूंदो से खराब भी नहीं होगा।

■बारिशों के दिनों में सिर्फ वॉटरप्रूफ आईलाइनर की ही इस्तेमाल करें। तेज बारिश में भी ये आपकी आंखों की खूबसूरती खराब नहीं होने देगा

■आईशैडो लगाना अगर आपको पसंद हैं तो मानसून में वाइब्रेंट कलर का चुनाव करें बस एक बात का ख्याल रखें की आईशैडो भी वॉटरप्रूफ ही होना चाहिए

■मस्कारा अगर वॉटरप्रूफ लगा रही हैं तो टेंशन की बात नहीं है लेकिन वॉटर प्रूफ मस्कारा नहीं है तो आप इसे मेकअप करते समय अवॉयड भी कर सकती हैं।

■लिपस्टिक के बिना मेकअप अधूरा है। लेकिन बारिश में लिपस्टिक फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है ऐसे में आपको सिर्फ मैट लिपस्टिक ही लगानी चाहिए। ग्लोसी या क्रीम लिपस्टिक गलती से भी ना लगाएं।

■अपने पास हमेशा ब्लोटिंग पेपर रखें। अगर बारिश की बूंदे आपके चेहरे पर पड़ी हैं तो आप किसी तौलिये या कपड़े से उसे ना पौंछे इससे मेकअप खराब हो जाता है। मेकअप पर ऊपर से पानी पड़ जाए या स्किन का एक्सेस ऑयल निकले उसे हमेशा ब्लोटिंग पेपर से ही साफ करना चाहिए

■सारा दिन मेकअप को फ्रेश लुक देने के लिए सबसे लास्ट में सेटिंग स्प्रे जरूर अप्लाई करें। इससे आपका मेकअप बारिश की बूंदों से फैलेगा नहीं। एक तरीक से ये सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप की कोटिंग कर देता है।

तो बारिश के मौसम में अगर इन बातों का ख्याल रखेंगी को आपकी स्किन का ग्लो हमेशा बना रहेगा। जो लड़कियां या महिलाएं बारिश में मेकअप करने से डरती हैं उन्हें इन टिप्स को फॉलो करना चाहिए। अगर आप मानसून में मेकअप करते समय इन बातों का ख्याल रखेंगी तो आपका मेकअप कभी खराब नहीं होगा।

फ्लोरल गाउन और किलर स्माइल से जाह्नवी कपूर ने लूटी महफिल

इंटरनेट पर फैंस ने लुटाया बेशुमार प्यार

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाए हुए हैं। फ्लोरल गाउन में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने किलर पोज से फैंस के दिलों पर बिजलियां गिरा रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फ्लोरल गाउन में बेहद ही कातिलाना अंदाज में नजर आ रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी कातिलाना स्माइल से फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं। उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया का पारा हाई किए हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर जल्द ही एक्टर वरुण धवन के साथ फिल्म बवाल में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने इस फोटोशूट के दौरान कई कातिलाना पोज दिए, जिन्हें देखकर फैंस उनकी काफी तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद ही कमाल लग रही हैं।

ज्यादातर सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस जान्हवी कपूर कर्वी फिगर से फैंस की धड़कनें बढ़ा रही हैं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो मिली और ओटीटी फिल्म गुड लक जैरी में नजर आई थीं। एक्ट्रेस जान्हवी कपूर इस बोल्ड लुक में काफी हॉट एंड ग्लैमरस दिखने के साथ बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं।

हिप-हॉप इंडिया पर भारत की अगली बड़ी तलाश रेमो डिसूजा के साथ शामिल हुईं नोरा फतेही

अमेजॉन मिनीटीवी – अमेजॉन की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा अपने अद्वितीय हिप-हॉप-आधारित डांस रियलिटी शो, हिप-हॉप इंडिया के माध्यम से नृत्य समुदाय को हिला देने के लिए पूरी तरह तैयार है। उत्साही लोगों और दर्शकों के बीच समान रूप से उत्साह बढ़ने के साथ, स्ट्रीमिंग सेवा ने आज डांस दिवा नोरा फतेही को शो में दूसरे जज के रूप में पेश किया। नोरा मशहूर कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा के साथ सह-जज के रूप में जुड़ेंगी और दोनों देश की अगली सबसे बड़ी हिप-हॉप सनसनी की खोज करेंगे।

पोस्टर में नोरा फतेही एक अनोखे अवतार में ग्लैमरस अंडरग्राउंड लुक में नजर आ रही हैं। पोस्टर के साथ, अमेज़ॅन मिनीटीवी ने यह भी खुलासा किया कि यह शो 21 जुलाई से शुरू होने वाली सेवा पर मुफ्त में स्ट्रीम होगा। स्ट्रीट डांसर्स के लिए सबसे बड़े मंचों में से एक, हिप-हॉप इंडिया एक यात्रा है – गली से ग्लोरी तक। यह शो #हिपहॉपफीवर को जीवंत करने, नृत्य शैली को उसकी पूरी महिमा में मनाने और सभी को इसके उत्साह में शामिल करने का वादा करता है।

शो का हिस्सा बनने को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए नोरा फतेही ने कहा, हिप-हॉप इंडिया सचमुच वे शब्द हैं जिन्हें मैं जब भी किसी को थिरकते और नाचते हुए देखती हूं तो जोर से चिल्लाना पसंद करती हूं। हिप-हॉप नृत्य की सबसे बेहतरीन और सबसे मज़ेदार शैलियों में से एक है। इस अमेजॉन मिनीटीवी शो में जज बनना और यह तथ्य कि मेरे सह-जज मेरे प्रिय मित्र रेमो डिसूजा हैं, वास्तविकता में प्रकट होने वाले शुद्ध उत्साह के अलावा और कुछ नहीं है। हमसे सावधान रहें भारत, क्योंकि हम तैयार हैं, क्या आप तैयार हैं? यह शो 21 जुलाई से स्ट्रीम होगा।

कृतिका देसाई ने गौना में अपनी भूमिका के लिए रतन राजपूत से ली प्रेरणा

अभिनेत्री कृतिका देसाई, जो 'गौना एक प्रथा' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी, ने कहा कि उन्होंने भाषण बारीकियों को समझने के लिए रतन राजपूत के शो से प्रेरणा ली है।

'गौना एक प्रथा' की कहानी बिहार के एक सुदूर गांव की रहने वाली गहना (कृतिका द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी शादी बहुत कम उम्र में उसके बचपन के सबसे अच्छे दोस्त गौरव से हो गई थी। हालांकि, गौना समारोह के बिना उनका मिलन अधूरा रहता है।

गहना अपने पति को खोजने और गौना पूरा करने के लिए निकलती है, और उसे एक महत्वाकांक्षी महिला, उर्वशी से सामना होता है।

अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने साझा किया, हालांकि वास्तविक जीवन में मेरे चरित्र गहना के साथ कई समानताएं हैं, लेकिन बोली में सुधार करना मेरी एकमात्र चुनौती थी। फिर भी, दर्शकों के साथ गहराई से जुड़ने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं, इसलिए मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं — अपने उच्चारण को निखारने और अपने भाषा कौशल को बेहतर बनाने के लिए बिहार के एक दोस्त से मदद मांगी है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, भाषण बारीकियों को समझने के लिए मैं रतन राजपूत का शो देख रही हूं। एक नई बोली सीखना और इन विवरणों पर ध्यान देना एक बेहद आनंददायक अनुभव रहा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि मेरे प्रयास दर्शकों का प्यार और ध्यान आकर्षित करेंगे।

शो में पापिया सेनगुप्ता, निशिकांत दीक्षित और नम्रता कपूर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह सोमवार से शेमारू उमंग पर प्रसारित हो रहा।

कोहरा के कारण पंजाबी कल्चर के करीब आई हरलीन सेठी

एक्ट्रेस हरलीन सेठी अपने स्ट्रीमिंग शो 'कोहरा' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। नेटफ्लिक्स शो के लिए उन्हें साइन किया गया, और इसकी एक दिल को छू लेने वाली कहानी है। उन्होंने खुलासा किया कि कैसे 'कोहरा' में उनका किरदार निमरत उन्हीं का एक हिस्सा है। हरलीन ने एक छोटा सा वीडियो साझा किया और इसके साथ एक इमोशनल नोट भी लिखा। उन्होंने लिखा, निमरत मेरा ही हिस्सा है। मैं एक बच्चे की तरह हमेशा से पंजाबी कल्चर से दूर भागती रही।

मैं इसी शहर में पैदा हई और पला-बढ़ी, जिसे काफी कूल माना जाता है, लेकिन 'कोहरा' मिलने के बाद मेरी जिदंगी को एक नई दिशा मिली। हरलीन ने आगे कहा, फिल्मांकन शुरू करने से पहले, एक वर्कशॉप के बाद मैंने सुदीप सर से पूछा कि क्या मैं अपने हाथ पर गुरुमुखी में 'निर्भाऊ निरवैर' लिखवा सकती हूं।

अब मैं कुछ ऐसा चाहती थी, जो मेरे साथ मेरे मरते दम तक रहे। आज मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं कौन हूं और कहां से आयी हूं। मैं अपने कल्चर को साथ लेकर आगे बढ़ने का इरादा रखती हूं। वह 'गॉन गेम सीजन 2', 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल' और 'काठमांडू कनेक्शन' में अपनी एक्टिंग से काफी खुश है।

शरीर के अंदर भी होती है एक घड़ी! खराब हुई तो बढ़ सकती हैं परेशानियां, जानें क्या होता है सर्केडियन रिदम

क्या आप जानते हैं कि हम सभी के बॉडी में एक इंटरनल क्लॉक होता है, जो समय पर खाना पचाता है, पोषक तत्वों को अवशोषित करता है, सोने-जागने का समय निश्चित करता है और बहुत कुछ जो हमारा शरीर करता है उसे कंट्रोल करता है। अगर यह खराब हो जाए या इसमें कोई गड़बड़ी आ जाए तो हेल्थ से जुड़ी कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं सर्केडियन रिदम की। जिसे शरीर की आंतरिक घड़ी कहते हैं। कई रिसर्च में पाया गया है कि सर्केडियन रिदम में खराबी से मूड और मस्तिष्क से जुड़े डिसऑर्डर का जोखिम हो सकता है। आइए जानते हैं क्या है सर्केडियन रिदम और इससे कौन-कौन सी समस्याएं हो सकती हैं।

सर्केडियन रिदम क्या है

सर्केडियन रिदम जागने के समय, शरीर के तापमान, मेटाबॉलिज्म, पाचन और भूख को कंट्रोल करने के लिए जरूरी होता है। यह ब्रेन में 24 घंटे की आंतरिक घड़ी है, जिससे काफी कुछ बेहतर बनता है। यह वातावरण में परिवर्तनों से भी अलर्ट करती रहती है। जब तक बाहर धूप रहती है बॉडी एक्टिव रहती है और रात होने पर दिमाग को मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन करने का संकेत भेजती है, जिससे नींद आती है। अगर यह घड़ी खराब हो जाए तो कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

सर्केडियन रिदम खराब हो जाए तो क्या होगा

अगर सर्केडियन रिदम अनियमित है तो सोने और ठीक से काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। जिसका असर हेल्थ पर पड़ सकता है और कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं। इसमें डिप्रेशन, टेंशन,बाइपोलर डिसऑर्डर और कई इमोशनल, मूड डिसऑर्डर भी शामिल है। अध्ययन में पता चला है कि रात में ज्यादा एक्टिव रहने वालों में मानसिक समस्याएं ज्यादा हो सकती हैं। इससे डिप्रेशन और स्ट्रेस डिसऑर्डर से जुड़े खतरे भी बढ़ सकते हैं।

सर्केडियन रिदम का हेल्थ पर असर

ब्लड प्रेशर सर्केडियन रिदम के हिसाब से ही काम करता है। इसी वजह से सुबह जब हम उठते हैं तब यह बढ़ा हुआ रहता है और रात में सोते समय कम हो जाता है। स्टडी में पाया गया है कि सर्केडियन रिदम का असर मेटाबॉलिज्म पर भी हो सकता है। इस वजह से वजन बढ़ना, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशन जैसी समस्याओं का खतरा ज्यादा रहता है।

सर्केडियन रिदम को ठीक रखने का तरीका

सोने का सही शेड्यूल बनाएं।
हर रात एक ही वक्त पर सोएं।
सोते समय कमरा अंधेरा और शांत हो।
एक्सरसाइज, वर्कआउट करें।
कैफीन-शराब के ज्यादा सेवन से बचें

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

हरेली तिहार हेतु सी-मार्ट में गेड़ियां उपलब्ध

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के प्रमुख तिहार हरेली हेतु जिले में वन विभाग के माध्यम से देवगांव के बंसोड़ो के द्वारा गेड़ी बनाकर सी-मार्ट में विक्रय हेतु उपलब्ध करा दिया गया है। हरेली का त्यौहार प्रदेश में 17 जुलाई को मनाया जाएगा। हरेली तिहार में गेड़ी चढ़ने की परंपरा है, इस दिन लोग गेड़ी चढ़कर सभी ग्रामीण वर्षा ऋतु का स्वागत करते है एवं खुशियां मनाते हैं। गेड़ी का निर्माण लगभग दो मीटर के दो बांस से किया जाता है, एक और बांस को बीच से फड़कर दो भागों में बांटा जाता है और उसे रस्सी से जोड़कर पउवा बनाया जाता है, पउवा असल में पैरदान होता है। सी मार्ट नारायणपुर में गेडियों की कीमत 150 रूपये निर्धारित किया गया है। जिसे इच्छुक व्यक्ति सी-मार्ट से गेड़ियां खरीद सकते हैं।

आर्थिक रूप से सहयोग मिलने से विपत्तिग्रस्त परिवार को मिल रही राहत-मंत्री अकबर

कवर्धा। छत्तीसगढ़ शासन के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री एवं कवर्धा विधायक मोहम्मद अकबर ने मंगलवार को कबीरधाम प्रवास के दौरान 02 विपत्तिग्रस्त परिवारों को 8 लाख रुपए का चेक वितरण किया। मंत्री श्री अकबर ने चेक वितरण करते हुए विपत्तिग्रस्त परिवारों के सदस्यों से कहा कि वह इस चेक को बैंक में जमा कर राशि प्राप्त कर सकते है। चेक वितरण करते समय मंत्री श्री अकबर ने परिजनों से भेंट भी की और अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों को हर संभव सहायता के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से सहयोग मिलने से विपत्तिग्रस्त परिवार को राहत मिल रही है। मंत्री श्री अकबर ने बोड़ला विकासखंड के ग्राम पंचायत मंडलाटोला के दशरथ और ग्राम बरकुही निवासी अयोध्या को आरबीसी 6-4 के तहत 4 लाख रुपए का चेक वितरण किया। चेक वितरण के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि होरी साहू, जिला कृषि उपज मंड़ी निलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवाराम साहू, प्रभाती मरकाम सहित अन्य जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित थे। उल्लेखनीय है किमोहम्मद अकबर जब से विधायक और मंत्री बने है, तब से प्राकृतिक आपदा के सभी प्रकरणों पर तत्परात से कार्यवाही की जा रही और विपदाग्रस्त परिजनों, हितग्राहियों को आर्थिक सहायता राशि शीघ्रता से मिल रही है। जितने भी प्रकरण हुए है, उनके विपत्तिग्रस्त परिवार के सदस्यों को कठनाईयों का सामना न करना पड़ें, इसलिए वे खुद उनके घर पहुंचकर विपत्तिग्रस्त परिवार से भेंट मुलाकात कर उन्हे आर्थिक सहायता राशि की चेक प्रदान कर रहे है।

18 साल का कोई भी युवा मतदाता, मतदान से ना चूके-कलेक्टर

रायगढ़। जिले में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। हमें कोशिश करना होगा कि 18 साल का कोई भी युवा मतदाता मतदान से ना चुके, इसके लिए सभी कॉलेज एवं स्कूल के ग्यारहवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों का चिन्हांकन कर उनका नाम मतदाता सूची में जोडऩा सुनिश्चित करें, इसके साथ ही उन्हें मतदान के लिए प्रोत्साहित करें। उक्त बातें आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तारन प्रकाश सिन्हा ने सृजन सभाकक्ष में आयोजित स्वीप कार्यक्रम के संबंध में बैठक के दौरान कही। इस दौरान उपस्थित स्वीप प्रभारियों की जानकारी लेते हुए अनुपस्थितों को शो-कॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ जितेन्दर यादव भी उपस्थित रहें। कलेक्टर सिन्हा ने स्कूल, कॉलेज के स्वीप नोडल अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आपके यहां युवा मतदाता हैं, जिनका नाम जोडऩा आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा हैं। जिसके तहत युवा मतदाताओं का नाम जुड़वाना, विस्थापितों का नाम कटवाना एवं नाम सुधार का कार्य किया जाना हैं। इससे संबंधित आप सुझाव दे सकते है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में मतदाता सूची का अहम रोल होता हैं, इसलिए मतदाता सूची शुद्ध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन का कार्य महत्वपूर्ण हैं। आपको सभी निर्देशों का गंभीरता से पालन करना हैं। उन्होंने कहा कि स्वीप कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न होगा, जिसमें मुख्यत: पहले चरण में मतदाता सूची का अद्यतन एवं दूसरे चरण में मतदाता जागरूकता, युवा मतदाता नाम जुड़वाकर, मतदान कर सकें। इस दौरान उन्होंने स्वीप कार्यक्रम की कार्ययोजना पर चर्चा की। जिससे अधिक लोगों को मतदान के लिए जागरूक किया जा सकें।

महिला कोष द्वारा 2500 महिला समूहों को 31 करोड़ रूपये ऋण वितरण का लक्ष्य

सभी जरूरतमंद महिलाओं तक महिला कोष की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया की अध्यक्षता में अटल नगर, नवा रायपुर स्थित मंत्रालय में छत्तीसगढ़ महिला कोष के शासी बोर्ड और आम सभा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस वर्ष 2 मई को महिला कोष की ऋण योजना अंतर्गत महिला समूहों को 4 लाख के स्थान पर 6 लाख रूपए का अधिकतम ऋण स्वीकृत करने की घोषणा और सक्षम योजना के तहत पात्रता के लिए महिलाओं की वार्षिक आय सीमा 1 लाख रूपए से बढ़ाकर 2 लाख रूपए करने की घोषणा का अनुमोदन किया गया।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऋण योजना के तहत 2500 समूहों को 31 करोड़ रूपये और सक्षम योजना के तहत 500 पात्र महिलाओं को 4 करोड़ रूपये के ऋण वितरण की साख योजना का भी अनुमोदन किया गया। साथ ही नवीन कौशल्या समृद्धि योजना का संचालन महिला कोष के माध्यम से कराए जाने की स्वीकृति भी दी गई। इस दौरान विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर ऋण देने और ब्याज की राशि जमा करने की प्रक्रिया के सरलीकरण और अधिक से अधिक महिलाओं को आर्थिक रूप से मदद कर स्वावलंबी बनाने पर चर्चा की गई।

श्रीमती भेंड़िया ने महिला कोष की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी जरूरतमंद महिलाओं तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक महिलाओं तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जाए, जिससे महिलाएं उनका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। छत्तीसगढ़ में रोजगार और संभावनाएं बहुत हैं। महिलाएं स्वावलंबी बनने की दिशा में आगे बढ़े। आमसभा की बैठक में शासी बोर्ड में लिये गये निर्णयों और 2023-24 के लिए साख योजना का अनुमोदन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने बताया कि प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक एवं समाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिला कोष का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस साल महिला कोष के बजट में लगभग पांच गुना की वृद्धि की है। साथ ही महिला स्वावलंबन की नवीन कौशल्या समृद्धि योजना के लिए 25 करोड़ रूपए का प्रावधान भी किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला कोष की योजनाओं के तहत महिलाओं को 3 प्रतिशत साधारण ब्याज की वार्षिक दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की घोषणा के परिपालन में अब तक 5 हजार 845 महिला समूहों का 11.06 करोड़ रूपए का ऋण माफ कर दिया गया है। साथ ही ऋण योजना के तहत प्रथम बार में महिला समूहों को 2 लाख रूपए तथा द्वितीय बार में 4 लाख रूपये तक का ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्वावलंबन योजना के तहत 200 महिलाओं को कौशल उन्नयन के तहत प्रशिक्षण कराने लक्ष्य रखा गया है।

छत्तीसगढ़ महिला कोष के महाप्रबंधक राजेश सिंघी ने बताया कि अब तक महिला कोष के माध्यम से 38,146 समूहों को 95.41 करोड़ रूपए का ऋण उपलब्ध कराया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऋण योजना के तहत 910 समूहों के लक्ष्य के विरूद्ध 1036 समूहों को 8 करोड़ रूपए से अधिक का ऋण वितरित किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग दोगुना है। इसी प्रकार सक्षम योजना के तहत 461 के लक्ष्य के विरूद्ध 302 महिलाओं को 2 करोड़ 62 लाख रूपए का ऋण स्वीकृत किया गया है। जो कि पिछले वित्तीय वर्षो में से सर्वाधिक वितरण रहा है। इस प्रकार 10 करोड़ 70 लाख रूपए का ऋण दोनों योजनाओं के तहत स्वीकृत किया गया है, जो विगत 5 वर्षों में सर्वाधिक है।

शिक्षा की गुणवत्ता के लिए बढ़ाए गये सशक्त कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में सशक्त कदम बढ़ाते हुए कलेक्टोरेट सभाकक्ष में संपर्क फाउंडेशन की ओर से 100 संपर्क टीवी डिवाइस शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को प्रदान किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल एजुकेशन की शुरूआत एक क्रांतिकारी परिवर्तन का आगाज है। संपर्क फाउंडेशन के अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. के राजेश्वर राव ने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयासों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि संपर्क टीवी डिवाइस को आंगनबाड़ी केन्द्रों में चला सकते हैं। उन्होंने ग्राम पंचायतों एवं स्कूलों में प्रशिक्षण के दिन को त्यौहार जैसे मनाने कहा। संपर्क टीवी डिवाइस में पाठ्यक्रम योजना बनाया गया है, जिससे बच्चे लाभान्वित होंगे।

कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने कहा कि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए सभी शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों में स्मार्ट टीवी के माध्यम से पढ़ाई कराई जा रही है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भी जनसहभागिता से स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करते हुए लगातार कार्य किया जा रहा है। स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चों के सीखने की प्रवृत्ति का विकास होता है। इसके लिए सामुदायिक सहभागिता एवं शिक्षकों की टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर कार्य किया जा रहा है। संपर्क फाउंडेशन का यह डिवाइस ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित होगा। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में ऑनलाईन कोचिंग प्रारंभ की गई है। जिसमें बोर्ड परीक्षा सहित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए दक्ष शिक्षकों के माध्यम से ऑनलाईन नि:शुल्क कोचिंग भी दी गई है। इसके साथ ही प्रसिद्ध कोचिंग संस्थाओं के वीडियो भी अध्ययन के लिए दिया जाता है। आकांक्षी जिले के अंतर्गत आने के कारण कुपोषण से लडऩे के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्मार्ट टीवी के माध्यम से वीडियो दिखाकर जनसामान्य को सुपोषण के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

जिला पंचायत सीईओ श्री अमित कुमार ने संपर्क फाउंडेशन द्वारा 100 संपर्क टीवी डिवाइस दिए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि डिवाइस के माध्यम से बच्चों की सीखने की प्रवृत्ति का विकास होगा। जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में इंटरनेट से ऑनलाईन कोर्स एवं डिवाइस के माध्यम से पढ़ाई कराने की कोशिश की जा रही है। जिससे बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

लोकतंत्र की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य-राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन अपने तीन दिवसीय ओडिशा प्रवास के दौरान ओडिशा के पूर्व मंत्री और समाजवादी नेता स्वर्गीय प्रदीप किशोर दास के जन्मशताब्दी समारोह में शामिल हुए। यह समारोह भुवनेश्वर के गीतगोबिंद सदन में आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर राज्यपाल ने श्री प्रदीप किशोर दास को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता और प्रतिबद्धता के साथ समाज के लिए किये गये योगदान को याद किया और स्वर्गीय दास को एक ईमानदार नेता बताया।

समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। भ्रष्टाचार से मुक्त एक स्वस्थ एवं सुंदर देश का निर्माण करने के लिए में प्रत्येक नागरिक को योगदान देना चाहिए। योग्य लोगों को ही राज्य एवं देश पर शासन करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को जागरूक होने की आवश्कता है। स्वच्छ एवं भ्रष्टाचार मुक्त शासन जनता का अधिकार है। उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में सभी को भागीदारी करने का अनुरोध किया।

महज एक माह के प्रशिक्षण में युवतियां खुद की सिली हुई पोशाक पहन कॉलेज आयी

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। लाइवलीहुड कॉलेज ने युवाओं की जिंदगी में अब बदलाव की बयार लायी है। 8-10वीं पास युवाओं से लेकर स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं को इस कॉलेज में उनकी रुचि के अनुरूप विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाता है। अभी तक किसी प्रकार का हुनर, प्रशिक्षण के अभाव में रोजगार नहीं मिल पाता था। लेकिन अब मुश्किल आसान हो गई है। अब युवाओं के पास रोजगार है और स्वयं उद्यमी भी बन रहे हैं।

राज्य सरकार युवाओं को उनकी अभिरुचि और स्थानीय बाज़ार मांग के अनुसार प्रशिक्षण दिलाकर स्वरोज़गार स्थापित करने का काम कर रही है। शासन की मंशा के अनुरूप यह कॉलेज कौशल उन्नयन का बखूबी कार्य कर रही है। यह युवाओं के एक नयी सुबह का संकेत है। जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज पॉलिटेक्निक भवन बरोंडा बाजार महासमुंद मे शासन के मंशा अनुरूप सिलाई कोर्स 30 युवाओं जिसमें बेरोजगारी भत्ता एवं नॉन बेरोजगारी भत्ता के युवा कौशल प्रशिक्षण का लाभ ले रहे है। महज एक माह की ट्रेनिंग मे ही काफ़ी कुछ सीख गए। जिसका उदाहरण बीते मंगलवार को प्रिया सिन्हा, होमिका सिन्हा, देवश्री साहू व अनीता निर्मलकर अपने ही सिले हुए कपड़ो को खुद पहन कर प्रशिक्षण में आये। जिसे देखकर अन्य प्रशिक्षणार्थियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। उनके हुनर की तारीफ़ की। जिससे की बाकि लोगों को भी प्रेरणा मिल सके। इसके अलावा उन्हें आज के मॉडल और आधुनिक दौर में उपयोग होने वाले कपड़ो की डिज़ाइन के साथ सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि महिला सशक्त हुनरमंद होकर स्वयं का रोज़गार स्थापित कर आय मे बढ़ोतरी कर सके। बेरोजगारी भत्ता पात्र युवाओं से लाइवलीहुड कॉलेज ने अपील की है कि अपनी रुचि अनुसार प्रशिक्षण लेकर स्वयं का रोज़गार करें। नियमित रूप से नि:शुल्क प्रशिक्षण लेकर हुनरमंद बने।

हुनरमंद युवा अब प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की राह में आगे बढ़ रहे हैं। प्रशिक्षण के अभाव में जहां पहले काम के लिए भटकना पड़ता था। वहीं अब प्रशिक्षित होकर मनचाहा रोजगार प्राप्त करने में कामयाब हो रहे हैं।

आगामी विधानसभा निर्वाचन में केन्द्रीय एजेंसियों एवं राज्य के बेहतर समन्वय से लागू होगी कारगर सतर्कता प्रणाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में व्यय अनुवीक्षण की तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले की अध्यक्षता में समस्त इन्फोर्समेंट एजेंसियों की समीक्षा बैठक आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय छत्तीसगढ़ के सभाकक्ष में ली गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती कंगाले ने बैठक में कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन में केन्द्रीय एजेंसियों एवं राज्य के बेहतर समन्वय से कारगर सतर्कता प्रणाली लागू होगी।

उक्त समीक्षा बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों, जैसे- पुलिस विभाग, आयकर विभाग आबकारी विभाग, वन विभाग, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, राजस्व आसूचना निदेशालय, परिवहन विभाग, नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो, केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय विमानपत्तन, स्टेट लेवल बैंकर्स कमिटी, डाक विभाग, विमानन विभाग एवं भारतीय रेल की स्थापित सतर्कता प्राधिकरण प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उपरोक्त एजेंसियों के नोडल अधिकारियों के साथ आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण की तैयारियों की समीक्षा की गई एवं कार्य योजना बनाने हेतु चर्चा की गई। बैठक में सभी इन्फोर्समेंट एजेंसियों को सामान्य बिन्दुओं पर तैयारियों हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया। सभी इन्फोर्समेंट एजेंसियों को राज्य में संवेदनशीलता का आकलन कर वल्नरेबिलिटी मैप तैयार करने, निर्वाचन हेतु विभाग की तैयारी एवं विगत 6 महीनों में किए गए जब्ती की जानकारी तैयार किये जाने एवं निर्वाचन व्यय संवेदनशीलता की मैपिंग कर मॉनिटरिंग किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इन्फोर्समेंट एजेंसियों को रेल्वे स्टेशनों, ट्रकों, बसों, व्यावसायिक वाहनों के साथ ही हवाई अड्डों पर विशेष निगरानी रखने हेतु कहा गया। बैठक में बताया गया कि पिछले निर्वाचनों में किये गए जब्तियों के आधार पर जिलों में निगरानी रखी जाएगी। राज्य में प्रलोभन की दृष्टि से संवेदनशील ऐसे समस्त सीमावर्ती राज्यों के प्रवर्तन एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर अंतर्राष्ट्रीय सीमा चेक पोस्ट नाकों पर सतत निगरानी आगामी समय में रखने के कड़ाई से निर्देश दिए गए। ऐसे सभी विधानसभा क्षेत्र जो सीमावर्ती राज्यों से सटे हों।

बेरला में चल रहा विशेष स्वच्छता अभियान

बेमेतरा। जिले में स्वच्छता के प्रति काफी जोर दिया जा रहा है। कलेक्टर पी.एस.एल्मा भी स्कूल शाला-आश्रमों सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर रहे है। जहां साफ-सफाई नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त तो कर रहे है। बल्कि साफ-सफाई के सख्ती के साथ निर्देश भी दे रहे है। अधिकारियों के साथ बैठकों में भी यही स्वच्छता की बात भी दोहरा रहे है, लोगों से भी स्वच्छता की अपील कर रहे है। उनके निर्देश और मुख्य नगर पालिका अधिकारी वनिष दुबे की साफ-सफाई के व्यक्तिगत रुचि व लगन के कारण नगर पंचायत बेरला में आम जन के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि जुड़ने लगे हैं। स्वच्छता अभियान में शामिल समस्त नागरिकों को शहर की स्वच्छता में भागीदारी निभाने तथा कचरे के प्रबंधन जिसमें मुख्य रूप से सोर्स सेग्रीगेशन, अपने आसपास जी.व्ही.पी. निर्मित नहीं होने देने, रोड नालियों, तालाबों तथा खुले में कचरा नहीं फेंकने आदि के सम्बंध में लोगों को जागरूक किया गया।

वर्दी वाली गर्लफ्रेंड ने प्रेमी को पिटवाकर कराया अरेस्ट

युवक बोला- टैटू बनवाया, उसकी बहन का खर्च उठाया, फिर स्कूटी के लिए 53 हजार दिए

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में वर्दी वाली प्रेमिका ने पहले पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर अपने बॉयफ्रेंड की जमकर पिटाई करा दी। जब युवक ने इस मामले की शिकायत एसपी से की, तब युवती ने पुलिस से मिलकर उल्टा युवक के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज करा दी।

पुलिस ने भी वर्दी वाली युवती पर कार्रवाई करने के बजाए उल्टा युवक को ही गिरफ्तार कर लिया है। युवक का आरोप है कि युवती को सरकारी नौकरी मिलने से पहले उसके साथ अफेयर था। अब पुलिस विभाग में नौकरी मिलने के बाद युवती ने ब्रेकअप कर लिया।

महिला आरक्षक और युवक के बीच चार साल से अफेयर था, तब युवती पढ़ी लिखी बेरोजगार थी। इस बीच उसकी पुलिस विभाग में नौकरी मिल गई और वह कॉन्स्टेबल बन गई, जिसके बाद से युवती ने उससे ब्रेकअप कर लिया। फिर मोबाइल से बात करना भी बंद कर दी। युवती ने पुलिस को बताया कि युवक अब भी उसके पीछे पड़ा है। युवती ने युवक को समझाने की कोशिश की। इसके बाद भी वह मोबाइल पर कॉल करता रहा। युवती ने उसे समझाते हुए कॉल करने से मना किया। इसके बाद भी युवक उससे बात करने की कोशिश करता था। परेशान होकर उसे अपना मोबाइल बंद करना पड़ा। फिर युवक उसकी ड्यूटी वाली जगह पर भी पहुंच जाता था। इससे परेशान होकर युवती ने सिविल लाइन थाने में शिकायत कर दी। पुलिस ने युवक के खिलाफकेस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

हाथ में टैटू बनवाया, खर्चा भी उठाता था

सूरज ने अपनी शिकायत में बताया कि युवती ने उससे प्यार के संबंध में कई बार पूछा, उसे भरोसा नहीं हुआ तो उसे मेला ले जाकर उसके हाथ में उसने प्रेमिका की नाम का टैटू भी गुदवा लिया था। युवक ने बताया कि वह युवती की बहन की शॉपिंग का खर्च भी उठाया करता था। यहां तक आरक्षक बनने के बाद भी उसने अपनी प्रेमिका को स्कूटी खरीदने के लिए 53 हजार रुपए दिए थे।

वर्दी वाली प्रेमिका की पूरी कहानी....

मस्तूरी क्षेत्र के लावर में रहने वाला सूरज गेंदले प्राइवेट जॉब करता है। पास के ही गांव की युवती उसकी दूर की रिश्तेदार है। उससे मिलते-जुलते दोनों के बीच दोस्ती हो गई। फ्रि दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों के बीच करीब चार साल से अफेयर चलता रहा। इसी दौरान युवती को पुलिस विभाग में नौकरी मिल गई और कॉन्स्टेबल के पद पर उसकी पोस्टिंग हो गई, जिसके बाद युवती का उसका बर्ताव उसके प्रेमी के प्रति बदल गया। युवती ने पहले अपनी व्यस्तता के बहाने उससे बातचीत करना कम कर दी, फिर दूरी बनाने लगी। इसके बाद उसने ब्रेकअप कर लिया और मोबाइल रिसीव करना भी बंद कर दी। सूरज को यह सब समझ नहीं आया। बाद में उसे पता चला कि उसकी प्रेमिका की किसी दूसरे युवक से दोस्ती हो गई है और नजदीकियां बढ़ गई है। इससे वह परेशान रहने लगा और युवती से बातचीत करने की कोशिश करता रहा। इधर, युवती ने उसे मिलने के बहाने बुलाकर उसकी बेरहमी से पिटाई करवा दी।

प्रेमी युवक की शिकायत पर नहीं की कोई कार्रवाई

युवक ने अपनी शिकायत में बताया कि बीते 7 जुलाई को युवती ने उसे मिलने के बहाने बुलाया था, तब बारिश हो रही थी। इस पर उसे रेनकोट लेकर बेलगहना आने के लिए कहा। जब वह बेलगहना पहुंचा, तब महिला आरक्षक ने अपने साथी पुलिसकर्मियों और अन्य लोगों के साथ उसकी बेरहमी से पिटाई की, जिससे युवक बेहोश हो गया। इसके बाद उसे उसके घर छोड़कर आ गए। शिकायत करने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। इस दौरान उसके साथियों ने युवक का मोबाइल भी तोड़ दिया, जिसमें कई सबूत थे। इस घटना के करीब एक सप्ताह तक सूरज डरा-सहमा रहा। उसे कुछ नहीं सूझ रहा था और वह मानसिक रूप से काफी परेशान था। डर के कारण वह बेलगहना चौकी में शिकायत भी दर्ज नहीं करा सका। बाद में एसपी से शिकायत करने के बाद अब उल्टा पुलिस ने उसके खिलाफही केस दर्ज कर लिया है।

टावर लगवाने के नाम पर आठ लाख की ठगी

15 लाख रुपये, सरकारी नौकरी और बाइक मिलने का दिया झांसा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में पुलिस ने शातिर ठग को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी ने मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर आठ लाख रुपये की ठगी की थी। आरोपी ने टावर लगवाने पर 15 लाख रुपये, सरकारी नौकरी और बाइक मिलने की बात कही थी। इसके बाद झांसा देकर अलग-अलग चीजों के नाम पर खाते में रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद भी जब टावर नहीं लगा तो ठगी का अहसास होने पर व्यापारी ने करीब दो साल पहले रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला चारा थाना क्षेत्र का है।

एडिशनल एसपी अविनाश ठाकुर ने बताया कि लखनपुरी निवासी चन्द्रप्रकाश भुतड़ा का जनरल स्टोर है। 29 जुलाई 2021 को अखबार में एक विज्ञापन प्रकाशित हुआ था, जिसमें मोबाइल टावर लगाकर रुपये कमाने की बात कही गई थी। इस पर चंद्र प्रकाश ने विज्ञापन में दिए नंबर पर संपर्क किया। कॉल रिसीव करने वाले ने बताया कि, खुद की जमीन पर टावर लगवाने पर पहले 15 लाख रुपये एडवांस मिलेगा, फिर 60 लाख खाते में जमा होंगे। परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और बाइक मिलेगी।

ठग की बातों में आकर चंद्रप्रकाश ने मोबाइल टावर लगाने की सहमति दे दी। इसके बाद शातिर ने उससे फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड और जमीन का दस्तावेज मांगे। इस पर चंद्रप्रकाश ने दो अगस्त को सभी दस्तावेज भेज दिया। फिर तीन अगस्त को रजिस्ट्रेशन के लिए एक हजार रुपये खाते में जमा कराए। उसके बाद एग्रीमेंट और 15 लाख के चेक की कॉपी व्हॉटसएप पर भेजी। उसके प्रोसेस के नाम पर 7900 रुपये, बीमा टीडीएस, आरटीओ, बैंक मैनेजर के तीन प्रतिशत सहित अन्य की फीस के नाम पर रुपये जमा कराए।

करीब एक महीना बीतने के बाद भी जब टावर नहीं लगा तो चंद्रप्रकाश ने फिर आरोपी से संपर्क किया, लेकिन बात नहीं हो पाई। बार-बार नंबर बंद आने पर चंद्रप्रकाश पुलिस के पास पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने नंबरों और खाते के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की और करीब दो साल बाद उन्हें पकड़ा जा सका। पकड़ा गया आरोपी वाराणसी के राजवाड़ी चौबेपुर निवासी अखिलेश मिश्रा (50) है। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

परिजनों ने जिला अस्पताल में किया हंगामा, ट्रेन से कटकर बच्चे की मौत 24 घंटे बाद भी नहीं हुआ पीएम

बिलासपुर (ए)। लालखदान फाटक के पास 11 जुलाई की दोपहर एक बच्चे की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ला गया था। यहां 24 घंटे बाद भी शव का पोस्टमार्टम नहीं होने पर परिजनों का धैर्य जवाब दे गया और उसके बाद उन्होंने जमकर हंगामा मचाया। इसके बाद सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता अपने केबिन से बाहर निकले और परिजनों पर दबाव बनाते हुए उन्हें अस्पताल परिसर में हंगामा नहीं करने की हिदायत दी। आधे घंटे तक चले विवाद के बाद मामला शांत हुआ।

मंगलवार को पति से हुए विवाद के बाद घुरू निवासी महिला निशा मधुकर लालखदान फाटक के पास अपने 6 वर्षीय बेटे देवांश के साथ मालगाड़ी के सामने कूद गई थी। इस घटना में मासूम देवांश की मौत हो गई और महिला ट्रेन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया था। यहां बच्चे का शव मरच्यूरी में रख दिया गया। कायदे से उसका पोस्टमार्टम तत्काल कर बच्चे की लाश अस्पताल पहुंचे परिजनों के हवाले कर दी जानी थी।

लेकिन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण पोस्टमार्टम में देर हो गई। दूसरे दिन यानी बुधवार को भी दोपहर तक पोस्टमार्टम नहीं होने पर परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. गुप्ता से भी उनकी बहस हो गई। कुछ पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे, जिन्होंने किसी को समझाने की कोशिश नहीं की। बड़ी मुश्किल से मामला शांत हुआ।

अस्पताल में नहीं मिलते डॉक्टर कलेक्टर से शिकायत भी हुई

बच्चे की मौत पोस्टमार्टम करने में देरी से हंगामे का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कभी डॉक्टरों के गायब रहने, कभी मरीजों को इलाज नहीं मिलने के चलते आए दिन जिला अस्पताल में बवाल हो रहा है। जांच और इलाज में दी और डॉक्टरों के बीच गुटबाजी बढ़ती जा रही है। कुछ दिन पहले सिविल सर्जन पर यहां के जूनियर डॉक्टरों ने ड्यूटी में सीनियर और जूनियरों के बीच भेदभाव का आरोप लगाकर कलेक्टर से इसकी शिकायत भी की है।

आयोग ने थाना प्रभारी को सौंपी आवेदिका की सुरक्षा की जिम्मेदारी

रायपुर (ए)। छग राज्य महिला आयोग में जनसुनवाई के दौरान एक प्रकरण में अनावेदक ने पहली पत्नी के रहते हुए आवेदिका को धोखा में रखकर उससे विवाह किया और शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। महिला ने इसकी शिकायत थाना टाटीबंध में की थी। जहां प्रकरण पर कार्यवाही न करते हुये उल्टा आवेदिका को ही झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया था। आवेदिका ने आयोग में थाना प्रभारी टाटीबंध एएसआई व अनावेदकगणों के विरुद्ध आयोग में शिकायत दर्ज कराई। जिस पर आयोग ने तत्काल संज्ञान में लेकर सुनवाई की। मुख्य अनावेदक व थाना प्रभारी जान बूझकर अनुपस्थित रहे। विस्तृत सुनवाई में आवेदिका ने बताया कि उसके रहने व आने-जाने के दौरान अनावेदकगणों के द्वारा उसका पीछा किए जाना, छेड़छाड़ जैसी घटना कारित होती है, जिस पर थाना प्रभारी कोई कार्यवाही नहीं करते, जिसे आयोग ने गंभीरता से लिया। आयोग की अध्यक्ष ने प्रकरण की संपूर्ण सुनवाई होने तक आवेदिका की सुरक्षा की जिम्मेदारी थाना प्रभारी टाटीबंध को सुनिश्चित कराये जाने हेतु पत्र प्रेषित किया है। आवेदिका के साथ कोई भी घटना कारित होने पर तत्काल कार्यवाही करें व उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौपी।

कोरबा में सब्जी बेचने वाले के घर से टमाटर चोरी, एफआईआर दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। टमाटर की बेतहाशा कीमतों से हर कोई हैरान परेशान है। एक ओर जहां टमाटर रिकार्ड महंगाई को छू गया है वहीं सब्जी बेचने वालों के लिए इसे संभालना मुश्किल हो रहा है। लगातार टमाटर चोरी की खबरे आ रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में कैरेट के साथ टमाटर की चोरी का मामला सामने आया है। यहां के एक सब्जी बेचने वाले शख्स के घर से टमाटर चोरी हो गए। इस मामले में कोरबा के कोतवाली थाना अंतर्गत मानिकपुर चौकी में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

कभी पांच से दस रुपए प्रति किलो की दर से बिकने वाले टमाटर के भाव आसमान छू रहे हैं। छत्तीसगढ़ के बाजारों में इन दिनों इसकी कीमत 120 से 160 रुपए किलो तक बिक रहा है। इस बीच एसईसीएल के झोपड़ीपारा निवासी सब्जी विक्रेता कैलाश टंडन के घर से टमाटर से भरे कैरेट चोरी हो गए है। कैलाश टंडन ने अपने घर में टमाटर से भरे पांच कैरेट खरीद कर रखे थे। जब वह बुधवार सुबह सोकर उठा तो उसमें से एक कैरेट गायब था।

टमाटर के बारे में जब उसने अपने परिवार वालों से पूछा तो उन लोगों ने कुछ भी पता नहीं होने की बात कही। इसके बाद कैलाश ने मामला दर्ज कराया। कैलाश का कहना है कि किसी जानकारी व्यक्ति ने ही उसके घर से टमाटर की चोरी की होगी। कैलाश टंडन ने बताया कि इससे पहले भी उसके घर से टमाटर चोरी की घटना हो चुकी है। सब्जी व्यापारी कैलाश ने बताया कि टमाटर अभी काफी महंगा है 100 रुपये से लेकर 120, 130 रुपये किलो के भाव से बिक रहा है। उसने सात कैरेट टमाटर खरीदा है। एक पेटी उसे 2500 रुपये की पड़ी है। अभी टमाटर जिस तरह से महंगे हैं और उसकी चोरी हो गई इससे उसको काफी नुकसान हुआ है। कैलाश टंडन की शिकायत पर मानिकपुर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिल्डिंग मटेरियल दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (ए)। कम कीमत में भवन निर्माण सामग्री सप्लाई करने का झांसा देकर 12 लाख रुपए की ठगी करने वाले आरोपी सुरेश राव को गिरफ्तार किया गया है।

दरअसल 11 जुलाई को प्रार्थी विजेंन्द्र वर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह हनुमान नगर, मठपारा रायपुर में रहता है। पिता हेमचंद वर्मा द्वारा इसे प्रोफेसर कालोनी स्थित जमीन जो इसके माता कुमारी वर्मा के नाम पर है में मकान बनाने हेतु कहने पर मकान का निर्माण कराने लगा इस बीच महेश्वरी ट्रेडर्स के संचालक सुरेश राव से भवन निर्माण सामग्री सप्लाई करवाने हेतु संपर्क किया तो सुरेश राव ने कम कीमत में सप्लाई करने का वादा कर प्रार्थी से 12 लाख रुपए ले लिया और भवन निर्माण सामग्री सप्लाई नहीं किया। जिस पर प्रार्थी द्वारा अन्य जगह से भवन निर्माण सामग्री लेकर मकान को बनवाया और दूसरी मंजिल भी बनाना था परंतु सुरेश राव के द्वारा 12 लाख रुपए झांसा देकर ठग लेने के कारण नहीं बना सका। प्रार्थी द्वारा सुरेश राव से 12 लाख रुपए को वापस मांगा तो अपने पिता रामा राव के पास रखवा

देना बताते हुए जमीन बेचकर वापस देने की बात कहने लगा तथा सुरेश राव द्वारा भवन निर्माण सामग्री सप्लाई करने हेतु प्राप्त 12 लाख रुपए को वापस करने बाबत एक शपथ पत्र (इकरारनामा) जिला कोर्ट प्रांगण रायपुर में गवाह योगेश वर्मा नानक राम साहू के समक्ष नोटरी तैयार कर दिया। जिसमे प्रतिमाह 25 से 30 तारीख के बीच में 50,000 रु. से 1 लाख रुपए अप्रैल माह 2023 से देने का इकरार किया है परन्तु सुरेश राव के द्वारा शर्त के मुताबिक आज दिनांक तक रूपये वापस नहीं कर कम कीमत में भवन निर्माण सामग्री सप्लाई करने की झांसा देकर 12 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी किया गया। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 338/23 धारा 420 भादवि. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना सिविल लाईन पुलिस की टीम द्वारा प्रार्थी एवं गवाहों से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी सुरेश राव को चिन्हांकित कर गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 नग मोबाइल जप्त कर अग्रिम कार्रवाई की गई।

रात को जमीन पर सो रही थी गर्भवती महिला, सांप के डसने से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। कोड़ेनार थाना क्षेत्र के ग्राम सुकू पारा बड़े बोदेनार में रहने वाली एक महिला को सोने के दौरान एक सांप ने डस लिया। घटना के बाद महिला को उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मामले के बारे में मृतिका पायको के पति बुधु मडकामी ने बताया कि 10 जुलाई को 8 माह की गर्भवती पायको खाना खाकर जमीन पर सो रही थी कि करीब 12 बजे के लगभग एक सांप ने उसके बाएं कंधे के पीछे आकर डस लिया। जिसके बाद महिला के आवाज देने पर पति ने उसे उपचार के लिए पास के स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया। जहां से 11 जुलाई की देर शाम महिला को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान महिला ने गुरुवार को दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद महिला के पेट में पल रहा 8 माह के बच्चे की भी मौत हो गई, शव के पीएम के बाद शव परिजनों को सौप दिया गया है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

शहर से हटने लगे अवैध पोस्टर होर्डिंग, भिलाई निगम का लगातार कार्रवाई अभियान

भिलाई। शहर के शासकीय एवं सार्वजनिक स्थानों में लगे हुए अवैध होर्डिंग/पोस्टर को हटाने के लिए भिलाई निगम ने अभियान छेड़ दिया है। इसके लिए जोन क्षेत्र के सहायक राजस्व अधिकारी अपने टीम के साथ मिलकर एवं आवश्यक संसाधनों के साथ शहर का निरीक्षण करते हुए अवैध पोस्टर व होर्डिंग को हटाने की कार्रवाई कर रहे है। मुख्य रूप से विद्युत पोल एवं डिवाइडर तथा सड़को के किनारे लगे हुए अवैध पोस्टर/होर्डिंग को प्राथमिकता के तौर पर हटाया जा रहा है। लगाने वालो से सम्पर्क कर कड़ी हिदायत भी दी जा रही है। पहले की बात करे तो शहर इन अवैध होर्डिंग/पोस्टर से पट गया था। कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा के निर्देश के बाद आयुक्त रोहित व्यास ने तत्परता दिखाते हुए निगम के राजस्व विभाग को इस पर उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये है। निर्देश के परिपालन में प्रत्येक जोन के राजस्व विभाग अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध पोस्टर/होर्डिंग को हटाने के लिए अभियान चला रहे है। जिसके चलते आज शहर से अवैध पोस्टर/होर्डिंग हटने लगे है, अवैध तरीके से लगाये हुए पोस्टर/होर्डिंग के कारण शहर की सुंदरता पर भी प्रभाव पड़ता है, वही एक्सीडेंट की संभावनाये भी बड़ जाती है

कलेक्टर के निर्देश पर रोका छेका अभियान के पहले दिन ही निगम ने पकड़े 84 आवारा मवेशी

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा के निर्देश में दुर्ग जिले में रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए महाअभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के आदेश और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर रोका छेका अभियान के पहले दिन ही पकड़े गए 84 आवारा मवेशी ।दुर्ग नगर पालिक निगम,भिलाई नगर निगम रिसाली नगर निगम एवं भिलाई चरोदा नगर निगम की संयुक्त टीम सभी निकायों में तिथि वार आवारा पशुओं को पकड़ने अभियान चला रही है।12 जुलाई और 13 जुलाई दुर्ग शहर क्षेत्र में इस रोका छेका अभियान की शुरुआत की ।आज बुधवार से दुर्ग शहर क्षेत्र में हो चुकी है और आज नगर निगम टीम ने 40 नगर निगम भिलाई 14 नगर निगम चरोदा 17 और नगर निगम रिसाली 13 कुल 84 आवारा पशुओं को पकड़ कर पुलगांव एवं नई गंज मंडी धमधा रोड गौठान व नेवई गौठान भेजा गया है। दुर्ग नगर निगम में इसको लेकर कार्रवाई शुरू हो गई है।

चेक के माध्यम से टैक्स जमा कर खाते में पर्याप्त राशि नहीं रखने वाले 49 करदाताओं को जारी किया गया नोटिस

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 49 करदाताओं के द्वारा टैक्स जमा करने के लिए चेक का उपयोग किया गया था लेकिन खाते में पर्याप्त राशि नहीं रखी गई थी। जिसके चलते निगम के खाते में राशि जमा नहीं हो पाई है। ऐसे करदाताओं को नोटिस जारी किया गया था और राशि जमा करने कहा गया था इनमें से 14 करदाताओं ने टैक्स की राशि जमा कर दी है परंतु 35 ऐसे करदाता है जिन्होंने अभी तक टैक्स की राशि जमा नहीं की है। इन करदाताओं को 3 दिन की मोहलत मयब्याज टैक्स की राशि जमा करने के लिए दी जा रही है उसके बाद भी टैक्स नहीं दिया गया तो निगम अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत कार्यवाही की जाएगी और संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया भी की जाएगी। बता दे कि भिलाई निगम में टैक्स की राशि जमा करने के लिए कुछ करदाताओं ने चेक का उपयोग किया है परंतु खाता में पर्याप्त बैलेंस नहीं होने के चलते निगम के खाते में इस राशि का आहरण नहीं किया जा सका है।

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन पर चेम्बर महामंत्री ने जताया आभार, कहा –

व्यापारियों के विकास के लिए साबित होगा मील का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चेम्बर भवन रायपुर में भव्य व्यापारी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमेन सुनील सिंघी भी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री अजय भसीन व भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र के नेतृत्व में बड़ी संख्या में व्यापारीगण शामिल हुए, जिन्होंने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के चेयरमेन श्री सिंघी का स्वागत अभिनंदन किया।

चेम्बर प्रदेश महामंत्री श्री भसीन ने कहा कि व्यापारियों के लिए यह हर्ष का विषय है कि राष्ट्रीय मंच पर उनकी बातों को प्रभावी रूप से रखने के लिए राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया गया है। हम सभी के लिए यह उससे भी ज्यादा खुशी की बात है कि बोर्ड के चेयरमेन सुनील सिंघी हमारे बीच मौजूद हैं।

श्री भसीन ने प्रदेश के सभी व्यापारियों की ओर से केंद्र सरकार का आभार जताते हुए कहा कि अब हमारी समस्याओं को त्वरित रूप से राष्ट्रीय मंच पर रखा जा सकेगा।

साथ ही उन्होंने चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी को भी इस बोर्ड में सदस्य के रूप में शामिल करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ को प्रतिनिधित्व मिलने से यहां के लाखों को व्यापारियों को निश्चित ही लाभ मिलेगा। श्री भसीन ने कहा कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड व्यापारियों के सर्वांगीण विकास के लिये निरंतर कार्य करेगी। साथ ही व्यापारियों एवं उनके कर्मचारियों के कल्याण के लक्ष्य को हासिल करने तथा सामाजिक सुरक्षा जैसे बीमा, पेंशन, स्वास्थ्य आदि नीतिगत उपायों की पहचान करना। सभी लाइसेंस के लिये सिंगल विंडो प्रणाली से देश के सभी राज्यों में लाइसेंस की प्रक्रिया सरल कराने के लिए प्रयास करना सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं पर केंद्रित होगी।

इस अवसर पर श्री सिंघी ने कहा कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड व्यापारियों के हितों की रक्षा करने वाला फोरम है जिसके माध्यम से व्यापारियों की समस्या केंद्र सरकार तक पहुंचाई जायेगी। पॉलिसी मेकिंग में भी व्यापारी कल्याण बोर्ड अपनी मुख्य भूमिका निभायेगी। इस समिति के माध्यम से व्यापारी पेंशन स्कीम, व्यापारी इंश्योरेंस जैसी योजनाओं को व्यापारियों तक पहुंचाया जायेगा। उन्होंने बताया कि सुगम व्यापार के लिये सिंगल विंडो प्रणाली सिस्टम लागू करवायेंगे साथ ही व्यापारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से व्यापारिक पेंशन स्कीम भी लागू करवाई जायेगी। व्यापारियों के लिये लागू अधिनियमों, नियमों आदि में सरलीकरण, सभी प्रकार की व्यापारिक समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

स्मारक स्थल का होगा सौन्दर्यीकरण

मदनवाड़ा के शहीद रजनीकांत की पुण्यतिथि पर गृहमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। दुर्ग ग्रामीण विधायक व प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने मदनवाड़ा के शहीद रजनीकांत के शहादत को नमन किया। बुधवार की सुबह मंत्री रिसाली चैक पहुंचे और प्रतिमा के सामने पुष्प चक्र अर्पित किया। इस अवसर पर गृहमंत्री ने शहीद के पत्नी व पिता का सम्मान शाल व श्रीफल से किया।

मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि सीमा में खड़े जवान की भूमिका को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। मौसम कैसा भी हो हमारी सुरक्षा के लिए वे हमेशा तैनात रहते है।

शहीद रजनीकांत को श्रद्धांजलि देने बड़ी संख्या में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल रिसाली के बच्चे पहुंचे थे। इस अवसर पर महापौर शशि सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री जितेन्द्र साहू, श्रमकल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष केशव हरमुख, एमआईसी सद्स्य चन्द्रभान सिंह ठाकुर, अनुप डे, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, पार्षद जहीर, विनय नेताम, संजू नेताम, जमुना ठाकुर, धर्मेन्द्र भगत, टिकम साहू, डॉ. सीमा साहू, एल्डरमेन संगीता साहू, शिशिर, संध्या वर्मा, अजीत यादव आदि उपस्थित थे।

चौक का होगा सौन्दर्यीकरण

गृहमंत्री ने कहा कि आयोजन स्थल पर शहीद की प्रतिमा स्थापित है। उन्होंने आयुक्त आशीष देवांगन को निर्देश दिए कि चौक और प्रतिमा स्थल का सौन्दर्यीकरण का प्रस्ताव तैयार करे। ऐसे स्थानों का शहीद के नाम पर नामकरण भी हो।

चेम्बर ने किया जागरूक अभियान जिंदगी न मिलेगी दोबारा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिंदगी न मिलेगी दोबारा कार्यक्रम सरस्वती विहार इंग्लिश मीडियम स्कूल व आज एम बी वी बी विद्या भवन हाउसिंग बोर्ड भिलाई में सम्पन हुआ। महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि युवा शक्ति राष्ट्र का प्राण तत्त्व है। वही उनकी गति है, स्फूर्ति है, चेतना है, आज है, राष्ट्र का ज्ञान है। युवाओं की प्रतिभा, पौरुष, तप, त्याग और गरिमा राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

युवा वर्ग का पथ, संकल्प और सिद्धियाँ राष्ट्रीय पराक्रम और प्रताप के प्रतीक हैं। उनकी शक्ति अमर है।छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स अपने एक मिशन पर निकला है जहां युवा पीढ़ी को सकारात्मक व समृद्ध व स्वस्थ खुशहाल दिशा की ओर ले जाने का स्वप्न है। जिंदगी न मिलेगी दोबारा इस कार्यक्रम में अजय भसीन ने अपने उदबोधन में युवा पीढ़ी को बताया कि हमारा युवा देश है देश की बड़ी आबादी को अवसर बनाना है। उन्होंने बताया कि मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में ज्यादा से ज्यादा स्किल्ड वर्कर्स तैयार करने की जरूरत है।इसके लिए चेम्बर हमेशा तत्पर है। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष श्री गार्गी शंकर मिश्रा ने युवा पीढ़ी को संदेश दिया कि देश मे व्यवसाय और उद्योग में बड़े

अवसर है आप सभी स्वरोजगार कर अन्य लोगों को रोजगार के अवसर दे । चेम्बर ऑफ कॉमर्स हमेशा इस कार्य के लिए मार्गदर्शन देने तैयार है। मिश्रा ने संदेश देते हुए कहा युवा शक्ति किसी भी देश और समाज की रीढ़ होती है। युवा ही देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। यह देखा जा सकता है कि हमारे राष्ट्र के लिए कई परिवर्तन, विकास, समृद्धि और सम्मान लाने में युवा सक्रिय रूप से शामिल हुए हैं।,इतना ही नहीं समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान युवाओं का ही होता है। स्वस्थ जीवन शैली पर अपने उदबोधन में असीम सहगल जी ने बताया कि स्वस्थ शरीर मे पोषक तत्वो का विशेष महत्व है।आजकल छात्र पोषक खाने के बजाय पिजा बर्गर जैसे अनहेल्दी फूड खाकर अपना स्वास्थ्य खराब कर रहे है।

सभी उम्र के लोग ले सकते है भाग, पंजीयन प्रारंभ

भिलाई निगम क्षेत्र में 17 जुलाई से होगा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के खेल का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन 17 जुलाई से किया जा रहा है। राजीव युवा मितान क्लब स्तर पर खेल प्रारंभ होगा और जोन स्तर तथा निगम स्तर पर तीन चरणों में खेल होगा। विजेता प्रतिभागी जिला स्तर एवं संभाग स्तर के खेलों में भाग ले सकेंगे।

प्रथम लेवल में 17 जुलाई से छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का खेल प्रारंभ होगा। इसके लिए शहर के अभी आम नागरिक, खिलाड़ी, पुरुष, महिलाएं, युवा, 18 वर्ष तक, 18 से 40 वर्ष तक व 40 वर्ष उम्र से अधिक के व्यक्ति भी भाग ले सकते हैं, खेल में उम्र का कोई बंधन नहीं है। खेल में भाग लेने के

लिए उन्हें अपने संबंधित नजदीकी जोन कार्यालय में तथा राजीव युवा मितान क्लब के अध्यक्ष के पास पंजीयन कराना होगा कि वह किस खेल में भाग लेना चाहते हैं। इसके लिए विधायक देवेंद्र यादव, महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास के निर्देश पर आज बैठक हुई। बैठक में ओलंपिक खेल को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली गई है। हरेली के अवसर पर सभी वार्ड क्षेत्रों में शामिल कर खेल का आयोजन करने पर चर्चा हुई। पंजीयन कराने के लिए नेहरू नगर जोन, वैशाली नगर जोन, जोन क्रमांक 3 मदर टेरेसा नगर, जोन क्रमांक 4 शिवाजी नगर तथा जोन क्रमांक 5 सेक्टर 6 में कार्यालयीन समय एवं अवधि में संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं इसके अलावा राजीव युवा मितान क्लब के अध्यक्ष से भी संपर्क कर पंजीयन करा सकते हैं। 16 प्रकार के खेल जिसमें गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगडी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकशी, बाटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, रस्सी कूद, कुश्ती एवं लंबी कूद जैसे खेल शामिल है जिसमें भाग लिया जा सकता है।

विधायक देवेंद्र यादव व महापौर नीरज पाल की पहल पर छत्तीसगढ़िया खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जा रहा है भिलाई निगम के प्रत्येक जोन क्षेत्र में इसका आयोजन किया जाएगा। आज की बैठक में प्रभारी सदस्य खेल व युवा कल्याण आदित्य सिंह, अधीक्षण अभियंता डीके वर्मा, सभी जोन आयुक्त, खेल के प्रभारी अधिकारी शरद चावड़ा, अतुल श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दुर्ग निगम में रहने वालों के लिए आसान हुआ जाति प्रमाण पत्र बनवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। सामान्य सभा मे आज जाति प्रमाण पत्र को लेकर आए प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।नगर पालिक निगम द्वारा विशेष सामान्य सभा की बैठक खालसा पब्लिक स्कूल में आयोजित किया गया।बैठक की अध्यक्षता सभापति राजेश यादव ने किया।

इस अवसर पर महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, अब्दुल गनी,संजय कोहले, ऋषभ जैन, दीपक साहू,भोला महोबिया, जयश्री जोशी, जमुना साहू,अनूप चंदनिया, सत्यवती वर्मा, मनदीप सिंह भाटिया ,नेता प्रति पक्ष अजय वर्मा, मदन जैन, राजकुमार नारायणी, नरेंद्र बंजारे,अरुण सिंह, देवनारायण चन्द्राकर, राकेश सेन,नरेश तेजवानी,कविता तांडी, प्रेमलता साहू,बिजेंद्र भारद्वाज,चंद्रशेखर चन्द्राकर, नजहत परवीन श्रद्धा सोनी के अलावा पार्षद,एल्डरमेन सहित निगम अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें इस दौरान विशेष सामान्य सभा में जाति प्रमाण पत्र के मामले को पटल में रखा गया। इसके आलावा गयाबाई स्कूल में स्थित दुकान आबंटन की जांच प्रतिवेदन मामले में भी चर्चा सभा मे की गई।छत्तीसगढ़ राज्य शासन के निर्देशानुसार जाति प्रमाण-पत्र के लिए विगत 12 जून 2022 से 16 मार्च 2023 तक कुल 451 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों को एआरआई. द्वारा भौतिक सत्यापन एवं पंचनामा किये जाने उपरांत 393 पात्र हितग्राहियों एवं 58 अपात्र हितग्राहियों की सूची तैयार किया गया। जिसका दावा आपत्ति 13 अप्रैल 2023 को चस्पा किया गया था। निगम के अनुसार 7 दिवस समयावधि में किसी भी प्रकार का दावा आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण कुल 393 पात्र एवं 58 अपात्र हितग्राहियों की सूची संलग्न कर विभाग द्वारा प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

पूर्व में बचे शेष 78 आवेदनों को सूचना पत्र दिये जाने उपरांत दस्तावेज पूर्ण कर 42 आवेदकों को पात्र किया गया है एवं 36 आवेदनों में दस्तावेज पूर्ण नहीं किया गया, जिसे नस्तिबद्ध किये जाने प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। मेयर इन काउंसिल की बैठक प्रकरण में चर्चा की गई थी।

बीएसपी में क्वालिटी कंसेप्ट्स को बढ़ावा देने हेतु गुणवत्ता-2023 का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का बिजनेस एक्सीलेंस विभाग संयंत्र को निरंतर नई उड़ान देने हेतु प्रयासरत है। विदित हो कि बिजनेस एक्सीलेंस विभाग प्रतिवर्ष विभिन्न क्वालिटी कंसेप्ट्स को बढ़ावा देने के लिए संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन करता आ रहा है। गुणवत्ता-2023 में संयंत्र स्तरीय क्वालिटी सर्कल, लीन क्वालिटी सर्कल, लीन सेफ्टी सर्कल एवं 5-एस प्रोजेक्ट प्रतियोगिता शामिल है।

इस प्रतियोगिता 2023 में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम को भरा हुआ नामांकन फॉर्म और सार संलग्न करना होगा। बीई विभाग को (केस स्टडी सॉफ्ट कॉपी जमा करने और शारीरिक भागीदारी के अलावा प्रोजेक्ट प्रस्तुति) हार्ड कॉपी में न्यूनतम 250 से अधिकतम 500 शब्दों में अपनी परियोजनाएं शामिल करनी होंगी। 5-एस टीमों के अलावा भाग लेने वाली प्रत्येक टीम को अपने केस स्टडी की सॉफ्ट कॉपी (पीडीएफमें) पर बीई विभाग को मेल करनी होगी।

जो चरणबद्ध केस स्टडी प्रोजेक्ट रिपोर्ट, क्यूसीएफआई द्वारा अनुशंसित पद्धति के अनुरूप होगी। प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता अगस्त 2023 के दूसरे सप्ताह में मानव संसाधन विकास केंद्र में आयोजित करने की योजना है। केस स्टडीज और उनकी प्रस्तुति का अलग-अलग मूल्यांकन करेगा और संलग्न मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार रैंकिंग दिया जायेगा।

व्यवसायिक जीवन में संतुलित आहार के महत्व पर महिला चेंबर द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज महिला चेम्बर की संरक्षक श्रीमती आभा मिश्रा, अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा, महामंत्री पिंकी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेरणा भट्ट,उपाध्यक्ष कांता धीमन, मीडिया प्रभारी इंदिरा जैन ने बताया कि चेंबर भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में महिला चेंबर द्वारा व्यवसायिक जीवन में संतुलित आहार के महत्व पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विशेष वक्ता डॉ. अनीश भार्गव (नई दिल्ली) एवं असीम सहगल (भिलाई) रहे।

महिला चेंबर अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि आज के इस भागमभाग और व्यस्तता से भरी जिंदगी में व्यापारी, उद्योगपति, कामकाजी महिलाएं एवं आम नागरिक जो अपने सेहत का

ख्याल नहीं रख पाते हैं, इसलिए आज महिला चेंबर द्वारा संतुलित आहार एवं पोषक तत्वों के महत्व पर यह कार्यशाला रखी गई। श्रीमती अरोरा ने आगे बताया कि संतुलित आहार नहीं लेने तथा फास्ट फूड पर बढ़ रही निर्भरता विभिन्न प्रकार के बीमारियों का कारण बन रही है। क्या हमने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों होता है ? ऐसा नहीं है कि इस तरह के लोग या बच्चे खाते-पीते नहीं हैं या उन्हें खाने की वस्तुएं नहीं मिलती हैं। दरअसल इस तरह के मोटापे या बीमारियों की सबसे बड़ी वजह होती है उनका संतुलित आहार नहीं खाना। यानी खाने में उन पदार्थों का इस्तेमाल नहीं करना जो शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, विटामिन और खनिज-लवण जैसे पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं। संतुलित आहार नहीं लेने से न केवल शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है बल्कि व्यक्ति की उत्पादकता भी काफी कम हो जाती है। ऐसे में एक स्वस्थ तन और मन के साथ ही अनेक गंभीर बीमारियों से बचने के लिए संतुलित आहार का सेवन बेहद जरूरी है। विशेष वक्ता डॉ. अनीश भार्गव ने बताया कि आमतौर पर किसी भोजन को संतुलित तभी माना जाता है जब उससे प्रतिदिन शरीर को प्राप्त होने वाली कुल ऊर्जा का 50 से 60 प्रतिशत भाग कार्बोहाइड्रेट के जरिए, 10 से 15 प्रतिशत भाग प्रोटीन के जरिए और 20 से 30 प्रतिशत भाग वसा के जरिए प्राप्त हो। एक बात जिस पर सभी को ध्यान देना चाहिए कि आहार में संतुलन के लिए अत्यधिक मात्रा में भोजन बिल्कुल जरूरी नहीं है। अधिक भोजन हमेशा गंभीर बीमारियों और मोटापे का कारण होता है। दरअसल हर व्यक्ति को उसकी शारीरिक आवश्यकताओं, आयु, लिंग के आधार पर संतुलित आहार की जरूरत होती है। जैसे- ज्यादा शारीरिक कार्य करने वाले व्यक्ति को भोजन में ज्यादा मात्रा में कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए। बच्चों की शारीरिक वृद्धि के लिए प्रोटीन जरूरी है। इसी तरह स्त्रियों के लिए लौह तत्व और कैल्शियम की जरूरत होती है। इसलिए यह जरूरी है कि शरीर की जरूरत और उम्र के हिसाब से संतुलित आहार लिया जाए। संतुलित आहार खाने वाले 'स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली' की नींव रखते हैं। इससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही यह देश में मानव संसाधनों के विकास के लिए भी बेहद जरूरी है।

जिला महिला मोर्चा सावन महोत्सव एवं आनंद मेला का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिला भाजपा महिला मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक आगामी दिनों आयोजित होने वाले मिलेट फूड, आनंद मेला, सावन महोत्सव के आयोजन को लेकर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष दिव्या कलिहारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री गायत्री वर्मा, जय राजपूत उपस्थित रहे। इस अवसर पर दुर्ग जिला महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष दिव्या कलिहारी ने कहा कि लगातार पार्टी के कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक गतिविधियों में लगातार महिला मोर्चा की अहम भूमिका रही है एक पारस्परिक रूप से आपसी परिवारिक माहौल तय हो सके कुछ उद्देश्य को लेकर मिलेट फूड, सावन महोत्सव एवं आनंद मेला का आयोजन किया जाना है महिला मोर्चा के पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के परिवार जन भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बन सके ताकि एक आपसी परिचय हो इस कार्यक्रम की सफलता को लेकर आज हम सभी यहां पर एकत्रित हुए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950